भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

21 मई - 27 मई 2025

jagrukjanta.net

ज्येष्ठ, पक्ष - कृष्ण, तिथि - नवमी , संवत 2082 पृष्ठ : 8+4 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-12, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

देश में अब चल रहा है 'न्यू नॉर्मल'

सटीक

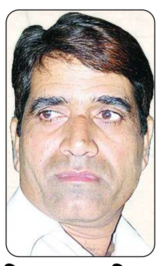

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

हमारे देश में पड़ौसी देश द्वारा प्रायोजित आतंकवाद से हमारे निर्दोष नागरिकों को मौत के घाट उतार दिया जाता रहा है। नब्बे के दशक से हमारा देश आतंकवाद का दंश झेल रहा है। आतंकवादियों द्वारा हमारे निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया जाता रहा है। किसी भी तरह से कश्मीर घाटी में अशांति बनाए रखना उनका उद्देश्य बन गया है। हालांकि धारा 370 को हटाने के बाद कश्मीर में शांति व्यवस्था और विकास तेजी से हो रहे हैं। मगर पिछले दिनों हुई पहलगाम की आतंकवादी घटना के बाद सैनिक कार्रवाई की गई 'ऑपरेशन सिंदूर'। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद 'न्यू नार्मल' शब्द सामने आया है जिसका उल्लेख देश के शीर्ष राजनीतिज्ञ ने किया है। लेकिन जिस समय 'न्यू नार्मल' शब्द का प्रयोग किया गया उस समय यह नहीं समझ आया कि इसका तात्पर्य क्या है। जैसा मेरे दिमाग में आया है वैसा ही दूसरों के दिमाग में भी आ रहा होगा कि आखिर यह 'न्यू नॉर्मल' है क्या? कई दिनों तक मन में जब यह द्वंद्व चला तो आखिर कुछ समझ में आया। हालांकि यह कोई जरूरी नहीं कि जो मैंने सोचा है वही 'न्यू नॉर्मल' का मायने हो। 'न्यू नॉर्मल' का मायने तो जिन्होंने इसे प्रयोग किया है वही जाने। उन्होंने किस संदर्भ में और क्या कहते हुए प्रयोग किया है। मुझे जो 'न्यू नॉर्मल' के बारे में समझ आया वह यह है कि हमारे देश में आतंकवादी घटनाएं हमारे पड़ौसी देश से प्रायोजित होती रही हैं और उन घटनाओं के बाद जो जरूरी कार्रवाई सरकार को लगती है, वह करती है। उसके बाद सब सामान्य हो जाता है। जैसे आतंकवादी घटना को अंजाम देकर भाग गए। उनका पीछा किया, उनको पकड़ा या ऐनकाउंटर हो गया। और फिर स्थिति सामान्य हो गई। फिर कुछ हुआ फिर पकड़ा और दंडित किया। लेकिन इस बार इस सामान्यता का अर्थ ही बदल कर 'न्यू नॉर्मल' कर दिया गया है। 'न्यू नॉर्मल' यानि कि आतंकवादियों के खिलाफ सतत और सख्त कार्रवाई होती रहेगी। इस कार्रवाई में कोई बदलाव नहीं आएगा। यही 'न्यू नॉर्मल' है। सामान्यतया ही आतंकवादियों की ठोका जाता रहेगा। और 'न्यू नार्मल' चता रहेगा। यही मेरी समझ का 'न्यू नार्मल' है।

shivdayalmishra@gmail.com

राजस्थान की धरती से कल मोदी देंगे 26 हजार करोड़ की सौगात

प्रधानमंत्री राजस्थान में 25 प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे

3,240 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 750 किलोमीटर के राजमार्गों का विकास और 900 किमी नए राजमार्गों का निर्माण शामिल

पाकिस्तान की सीमा तक सड़क निर्माण भी शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 मई को बीकानेर जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे सुबह 11 बजे देशनोक स्थित प्रसिद्ध करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके बाद वे पुनर्विकसित देशनोक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे और बीकानेर से मुंबई के लिए शुरू होने वाली नई एक्सप्रेस ट्रेन को रवाना करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री पलाना में एक भव्य सार्वजनिक समारोह में भाग लेंगे, जहां वे 26,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई महत्त्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वे राष्ट्र को अनेक परियोजनाएं समर्पित करेंगे, जो राजस्थान ही नहीं, पूरे भारत के लिए मील का पत्थर साबित होंगी।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक रेलवे स्टेशन

प्रधानमंत्री मोदी 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में स्थित 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। ये स्टेशन "अमृत भारत स्टेशन योजना" के अंतर्गत तैयार किए गए हैं, जिनमें क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए आधुनिक यात्री सुविधाएं शामिल हैं। देशनोक स्टेशन करणी माता मंदिर की वास्तुकला से प्रेरित है, जबकि तेलंगाना का बेगमपेट स्टेशन काकतीय स्थापत्य शैली में निर्मित है। बिहार का थावे स्टेशन शक्तिपीठ संस्कृति और मधुबनी कला को दर्शाता है, वहीं गुजरात का डाकोर स्टेशन रणछोड़राय जी महाराज से प्रेरित है।

रेलवे को 100 फीसदी इलेक्ट्रिक करने की योजना

रेलवे को 100% इलेक्ट्रिफिकेशन की दिशा में ले जाते हुए प्रधानमंत्री चूरू-सादुलपुर रेलखंड की आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा, वे 5 अन्य रेल मार्गों-सूरतगढ़-फलोदी, फुलेरा-डेगाना, उदयपुर-हिम्मतनगर, फलोदी-जैसलमेर और समदड़ी-बाड़मेर के विद्युतीकरण का उद्घाटन करेंगे। यह कदम रेलवे संचालन को अधिक कुशल और पर्यावरण अनुकूल बनाने में सहायक होगा।

25 प्रमुख योजनाओं का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

प्रधानमंत्री राजस्थान में 25 प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जिनका उद्देश्य राज्य की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना है। इनमें 3,240 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 750 किलोमीटर के राजमार्गों का विकास और 900 किलोमीटर नए राजमार्गों का निर्माण शामिल है। इसके अलावा, बीकानेर और उदयपुर में बिजली परियोजनाओं तथा राजसमंद, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा और धौलपुर में नर्सिंग कॉलेजों का उद्घाटन किया जाएगा। ये संस्थान स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देंगे। प्रधानमंत्री झुंझुनूं जिले में ग्रामीण जलापूर्ति व फ्लोरोसिस शमन परियोजना की नींव रखेंगे। साथ ही, अमृत 2.0 योजना के तहत पाली जिले के सात शहरों की शहरी जलापूर्ति योजनाओं के पुनर्गठन का शिलान्यास भी किया जाएगा। ये परियोजनाएं जल संकट से जूझ रहे इलाकों को बड़ी राहत प्रदान करेंगी। पीएम मोदी का यह दौरा न केवल राजस्थान में Infrastructure और Connectivity को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा (Clean Energy), बेहतर जल आपूर्ति और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से जीवन गुणवत्ता में भी सुधार लाएगा। यह कार्यक्रम देश के समग्र विकास की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित होगा।

भारत-पाकिस्तान सीमा तक बनेंगे राजमार्ग

प्रधानमंत्री मोदी राजस्थान में सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत करने की दिशा में कार्य करेंगे। वे तीन नए वाहन अंडरपास, राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण, और सात प्रमुख सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। 4,850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली ये परियोजनाएं माल और लोगों की आसान आवाजाही सुनिश्चित करेंगी। खास बात यह है कि इनमें कुछ राजमार्ग भारत-पाकिस्तान सीमा तक विस्तारित होंगे, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।

हरित ऊर्जा और बिजली आपूर्ति की दिशा में क्रांति

Renewable Energy को बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री बीकानेर, नावा, डीडवाना और कुचामन में सौर ऊर्जा परियोजनाओं की नींव रखेंगे। इसके साथ ही पावरग्रिड ट्रांसमिशन परियोजनाएं, फतेहगढ़-II पावर स्टेशन का विस्तार और नीमच तथा बीकानेर से बिजली निकासी के लिए Transmission Systems का शिलान्यास किया जाएगा। इन परियोजनाओं का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन देना और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना है।

रेलवे स्टेशन का वर्चुअल करेंगे लोकार्पण, एडीआरएम ने तैयारियों का लिया जायजा

राजगढ़ रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत 13 करोड़ 10 लाख की लागत से हुए पुनर्विकास कार्य

राजगढ़ @ जागरूक जनता। अमृत भारत योजना के तहत राजगढ़ रेलवे स्टेशन पर करीब 13 करोड़ 10 लाख की लागत से हुए पुनर्विकास कार्यों का अपर मण्डल रेल प्रबन्धक संजीव दीक्षित ने रेलवे के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। पीएम मोदी 22 मई को रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। उद्घाटन को देखते हुए उन्होंने राजगढ़ रेलवे स्टेशन की तैयारियों का जायजा लिया। एडीआरएम संजीव दीक्षित ने प्रेस वार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 मई को वर्चुअली अमृत भारत योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर हुए पुनर्विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे। अमृत भारत योजना के तहत राजगढ रेलवे स्टेशन पर कई पुनर्विकास कार्य हुए हैं। यह जयपुर डिवीजन में आता है।

जागरूक खबरें

नेपाल में भूकंप के झटकों से कांपी धरती

काठमांडू @ जागरूक जनता। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में मंगलवार को फिर भूकंप की घटना सामने आई है। पश्चिमी नेपाल के कास्की जिले में मंगलवार दोपहर को 4.7 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र काठमांडू से करीब 250 किलोमीटर दूर कास्की जिले के सिनुवा क्षेत्र में था, जो अपराह्न 1.59 बजे दर्ज किया गया। भूकंप के झटके पड़ोसी जिलों तनहु, पर्वत और बागलुंग में भी महसूस किए गए। भूकंप से किसी प्रकार के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है।

'अदालतें इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं', वक्फ पर SC में सुनवाई,

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई, जिसमें कई तरह की दलीलें दी गई और कोर्ट ने कहा कि 'संसद द्वारा पारित कानूनों में संवैधानिकता की धारणा होती है और कोई कानून संवैधानिक नहीं है इसका जब तक कोई ठोस मामला सामने नहीं आता, अदालतें इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं।'

आज से फिर शुरू होगी बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी

अमृतसर @ जागरूक जनता। भारत-पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए सीजफायर के बाद सीमा पर तनाव कम हो गया है। इसी बीच फैसला लिया गया है कि 21 मई से पंजाब के अटारी-वाघा, हुसैनीवाला और सादकी सीमा चौकियों पर बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी फिर से शुरू होगी। बीएसएफ ने कहा है कि पाकिस्तान बॉर्डर के पास पंजाब के तीन स्थानों पर सार्वजनिक रूप से झंडा उतारने की रस्म बुधवार से शुरू होगी।

टोंक, राजसमंद और पाली जिला कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी मिली, मचा हड़कंप!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। टोंक, राजसमंद और पाली जिला कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। तीनों कलेक्ट्रेट को मेल से धमकी दी गई है। धमकी के बाद हड़कंप मच गया है और प्रशासन अलर्ट हो गया। टोंक जिला कलेक्ट्रेट में धमकी मिलने के बाद बम निरोधक दस्ता कलेक्ट्रेट पहुंचा। यहां बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया। कलेक्ट्रेट का मुख्य द्वार पूरी तरह बंद किया गया। कलेक्ट्रेट में बैठे कर्मचारियों और अधिकारियों को बाहर निकाला गया। हालांकि भीलवाड़ा के कलेक्ट्रेट परिसर को भी मंगलवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। सूचना पर पुलिस, प्रशासन, सिविल डिफेंस सहित बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और कलेक्ट्रेट को खाली कराकर सघन तलाशी ली। जहां तलाशी के बाद एएसपी पारस जैन ने इसे मॉकड्रिल बताया।

ऑपरेशन सिंदूर 'छोटा सा युद्ध'-खरगे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कर्नाटक। में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने समर्पण संकल्प रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार को जमकर घेरा। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर पीएम मोदी के कश्मीर के दौरे को रद्द करने पर सवाल उठाया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से तीन दिन पहले खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने अपना कश्मीर दौरा रद्द किया था।

ऑपरेशन सिंदूर 'छोटा युद्ध'

कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया कि केंद्र सरकार ने पर्यटकों से पहलगाम न जाने के लिए क्यों नहीं कहा? अगर उन्हें बताया गया होता तो 26 लोगों की जान बचाई जा सकती है। ऑपरेशन सिंदूर तो छोटा सा युद्ध है।

पात्रा ने खरगे पर साधा निशाना

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को छोटा सा युद्ध बताने पर सियासी पारा हाई हो गया है। बीजेपी नेता संबित पात्रा ने खरगे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि खरगे कह रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर एक छोटी लड़ाई है। स्वाभाविक है 26/11 के बाद जिसके सबसे बड़े नेता राहुल गांधी पार्टी कर रहे हों उनके लिए ऑपरेशन सिंदूर एक छोटी सी ही लड़ाई नजर आएगी।

MADHAV PRIVATE I.T.I.

Industrial Training Institute

MADHAV UNIVERSITY

PINDWARA (SIROHI)

रोजगार / स्वरोजगारोन्मुखी व्यावसायिक पाठ्यक्रम

प्रवेश सूचना 2025-26

(NCVT भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

केन्द्रीकृत ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश हेतु सूचना

ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रारम्भ तिथि 10.05.2025

ई-मित्र कियोस्क के माध्यम से अथवा स्वयं के SSO आई डी से फॉर्म भर कर आवेदन करें ।

लिंक - http://hteapp.hte.rajasthan.gov.in/iti_admission/

आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 10 जुलाई 2025

क्र. स.	आई टी आई ट्रेड	प्रवेश योग्यता	प्रशिक्षण अवधि	प्रशिक्षण शुल्क सालाना	संबंधजन
1.	मैकेनिक डीजल	10 वी उत्तीर्ण एवं समकक्ष (गणित-विज्ञान)	1 वर्ष	19,500/-	NCVT
2.	फिटर	10 वी उत्तीर्ण एवं समकक्ष (गणित-विज्ञान)	2 वर्ष	21,500/-	NCVT
3.	इलेक्ट्रीशियन	10 वी उत्तीर्ण एवं समकक्ष (गणित-विज्ञान)	2 वर्ष	24,500/	NCVT
4.	वायरमैन	8 वी उत्तीर्ण	2 वर्ष	15,000/	NCVT

अनिवार्य दस्तावेज
1. 10 वी की मूल अंकतालिका
2. जाती प्रमाण.पत्र
3. मूल निवास प्रमाण.पत्र
4. आधार कार्ड
5. पासपोर्ट साइज फोटो

नोट - संस्थान में ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरने की सुविधा नि:शुल्क ।

Contact No. 8875028992, 9799779829
Email:- madhavprivateiti@gmail.com

ने.हा.27, भूजेला, भारजा, तहसील-पिण्डवाड़ा, जिला-सिरोही (राज.) - 307032

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?

देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...

Kabira®

Healthy Growth

Yellow Mustard Oil

WOOD PRESSED

Natural Immunity Booster

FORTIFIED WITH VITAMIN A & D2

100% VEG.

COLD PRESSED PROCESSING UNIT

KOSHER

India's Most Trusted Brand

Approved by : WHO GMP

one of the OLDEST OIL known to HUMAN

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।

- प्राचीन शीतल विधी घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधी उच्च ताप रहित ।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छ: हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमूखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
For Arward Details : Contact 98290-50738
* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

जागरूक जनता ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

प्रदेश से दो सांसदों का उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चयन, जुलाई के लास्ट में दिल्ली में होगा सम्मान, देशभर के 17 सांसदों का किया चयन

सांसद मदन राठौड़ और पीपी चौधरी राजस्थान के संसद रत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय लोकतंत्र में प्रभावशाली और सक्रिय जनप्रतिनिधित्व को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष प्रदान किए जाने वाले संसद रत्न पुरस्कार 2025 की घोषणा कर दी गई है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ और पाली सांसद पीपी चौधरी को 'ओवरऑल कैटेगरी' में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। प्राइम पॉइंट फाउंडेशन की ओर से संसद रत्न पुरस्कार-2025 की घोषणा की गई है। उद्देश्य भारतीय संसद के उत्कृष्ट योगदान को सार्वजनिक मंच पर मान्यता देना है। देशभर के 17 लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को व्यक्तिगत और संसद की 2 स्थायी समितियों को उत्कृष्ट काम के लिए सम्मानित किया जाएगा। सांसदों का चयन कमेटी ने किया है। अध्यक्षता राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने की थी। कमेटी ने महाराष्ट्र के 7, उत्तरप्रदेश, झारखंड, राजस्थान के 2 और ओडिशा, तमिलनाडु, केरल और असम के एक-एक सांसद का चयन किया है।

संसद में प्रदर्शन के आधार पर हुआ चयन

इन सांसदों का चयन संसद में उपस्थिति, डिबेट, पूछे गए सवालों की संख्या और उठाए गए मुद्दों के आधार पर किया गया है। इसके लिए कमेटी ने लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय के ऑफिशियल रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया है। मदन राठौड़ और पीपी चौधरी का चयन 18वीं लोकसभा की पहली बैठक से लेकर बजट सत्र 2025 तक के उनके संसदीय प्रदर्शन को देखते हुए किया गया। यह अवॉर्ड जुलाई के अंतिम सप्ताह में नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार समारोह में दिया जाएगा। संसद रत्न पुरस्कार के संस्थापक प्राइम पॉइंट श्रीनिवासन और पुरस्कार समिति की अध्यक्ष प्रियदर्शनी राहुल ने एक बयान जारी कर बताया कि संसद रत्न पुरस्कारों का यह 15वां संस्करण है।

इन स्थायी समितियों को भी मिलेगा पुरस्कार

विभागीय रूप से संबंधित दो स्थायी समितियों को भी संसद में प्रस्तु उनकी रिपोर्ट के आधार पर उनके असाधारण प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कार के लिए चुना गया है। वित्त संबंधी स्थायी समिति, जिसकी अध्यक्षता ओडिशा से भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब करेंगे। कृषि संबंधी स्थायी समिति, जिसकी अध्यक्षता पंजाब से कांग्रेस सांसद डॉ. चरणजीत सिंह चन्नी करेंगे।

लोकसभा-राज्यसभा में उठाए मुद्दों पर चयन

इस वर्ष 17 व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। ओडिशा से भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब, के रल से आरएसपी के सांसद एन.के. प्रेमचंद्रन, महाराष्ट्र से एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले और महाराष्ट्र से शिवसेना के सांसद श्रीरंग अप्पा बार्ने के नाम शामिल हैं। महाराष्ट्र से भाजपा सांसद स्मिता उदय वाघ, शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद गणपत सावंत, शिवसेना सांसद नरेश गणपत म्हस्के, कांग्रेस सांसदप्रो. गायकवाड़ वर्षा एकनाथ, भाजपा सांसद डॉ. ए.एस. प्रो. मेधा विश्राम कु लकर्णी, यूपी से भाजपा सांसद प्रवीण पटेल और रवीद्र किशन शुक्ला, झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और विद्युत बरन महतो, राजस्थान से भाजपा सांसद मदन राठौड़ और पीपी चौधरी, तमिलनाडु से डीएमके सांसद सीएन अन्नादुरई और असम से भाजपा सांसद दिलीप सैकिया को भी संसद रत्न पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

जागरूक खबरें

डॉ. अरुण अग्रवाल "राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के वरिष्ठ उपाध्यक्ष" नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष डॉ. के.एल. जैन

की अध्यक्षता में कार्यकारिणी की मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग में उपस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों की सहमति से राजस्थान की मशहूर हस्ती और उद्यमी डॉ. अरुण अग्रवाल को महामंत्री से पदोन्नत करते हुए राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनके लिए एक नए अवसर के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है।

स्व. राजीव गाँधी बलिदान दिवस आज

जयपुर @ जागरूक जनता। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गाँधी के बलिदान दिवस पर आज 21 मई को प्रदेश कांग्रेस द्वारा प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि इस मौके पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा, पुष्पांजलि कार्यक्रम, फल वितरण इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। कार्यक्रमों में समस्त कांग्रेसजन भाग लेंगे।

मरुधर एक्सप्रेस का आगरा फोर्ट स्टेशन पर ठहराव नहीं

जयपुर @ जागरूक जनता। जोधपुर से चलकर वाराणसी सिटी जाने वाली मरुधर एक्सप्रेस 20 दिन तक आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन पर ठहराव नहीं करेगी। जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे के आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन के एक नंबर प्लेटफॉर्म पर ब्लॉक लिए जाने के कारण यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 14854/14864/14866 जोधपुर-वाराणसी सिटी मरुधर एक्सप्रेस 23 मई से 11 जून तक आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन पर ठहराव नहीं करेगी। ट्रेन का अन्य स्टेशनों पर संचालन समय व ठहराव यथावत रहेगा।

सूर्य का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश 25 को

जयपुर @ जागरूक जनता। भीषण गर्मी का दौर जारी है। आने वाले दिनों में गर्मी के और बढ़ने की संभावना बनी हुई है। गर्मी के दौर में नौतपा योग 25 मई से बनेगा। इस दौरान सूर्य की किरणे अधिक झुलसाएगी।

देश सेवाः जयपुर व्यापार महासंघ ने किया व्यापारिक संबंधों का बहिष्कार

मुहाना में तुर्की के 'सेव' बंद

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का समर्थन तुर्की और अजरबैजान के लिए घाटे का सौदा साबित हो रहा है। भारत में एक के बाद इन देशों के लिए कमाई के सारे अवसर बंद हो रहे हैं। एयरलाइंस से लेकर आईआईटी तक, व्यापारी वर्ग ने तुर्की की कंपनी और संस्थाओं के साथ किए गए समझौते रद्द कर दिए हैं। देश की जनता की ओर से दोनों देशों का बॉयकॉट करने की बात कही जा रही है। तुर्की और अजरबैजान को अहसान फरामोश और गद्दार देश कह रहे हैं। लोगों का कहना है कि भारत ने तुर्की का उस समय साथ दिया, जब वहां भूकंप आया था। भारत ने मेडिकल सुविधाओं के साथ-साथ आर्थिक सहायता भी की थी, लेकिन वो सब भूलकर उसने हमारे दुश्मन देश पाकिस्तान का साथ दिया। उसे हथियार सहित अन्य सहायता दी। इन देशों का पूरी तरह से बायकॉट करना चाहिए।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। तुर्की और अजरबैजान के पाकिस्तान को समर्थन देने पर जयपुर व्यापार महासंघ ने बड़ा कदम उठाते हुए निर्णय लिया है कि राजस्थान का व्यापारिक समुदाय इन दोनों देशों के साथ हर प्रकार के व्यापारिक और व्यावसायिक संबंधों का बहिष्कार करेगा। इसमें यात्रा, पर्यटन और प्रमोशन शूटिंग तक शामिल है। एशिया की सबसे बड़ी थोक फल-सब्जी मंडी मुहाना में तुर्की से आने वाले सेव की सप्लाई बंद हो चुकी है। मंडी के थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष योगेश तंवर ने बताया कि तुर्की से सेव की पेटियां दिल्ली और मुंबई के रास्ते आती थीं, लेकिन अब इन शहरों के व्यापारी भी ऑर्डर कम कर रहे है। मुहाना मंडी के व्यापारियों ने भी निर्णय लिया है कि अब तुर्की से सेव नहीं मंगवाएंगे। इस समय तुर्की से आने वाले सेव की कीमत 200 से 250 रुपए प्रति किलो है। कुछ दिनों में हिमाचल से नई फसल की आवक शुरू हो जाएगी, जिससे तुर्की पर निर्भरता खत्म होजाएगी। महासंघ जल्द ही एकजनजागरूकता अभियान भी शुरू करेगा ताकि देशभर के व्यापारी और उपभोक्ता इस बहिष्कार से जुड़े और भारत की संप्रभुता की रक्षा में योगदान दे सके।

जयपुर व्यापार महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र बज नेदोनों देशों की नीति को "भारत विरोधी" और "अकृतज्ञ" कहा। कोषाध्यक्ष सचिन गुप्ता ने भारत सरकार द्वारा तुर्की की कंपनी सेलेबी ग्राउंड हैंडलिंग इंडिया प्रा. लि. की सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के फैसले का समर्थन किया, जो भारत के 9 प्रमुख एयरपोर्ट्स पर सेवा दे रही थी। महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने बताया कि व्यापार महासंघ ने प्रमुख निर्णय लिए हैं। इनमें तुर्की और अजरबैजान के उत्पादों का बहिष्कार कर इन देशों से आयात-निर्यात बंद किया जाएगा। विदेश और उद्योग मंत्रालय को ज्ञापन सौंपकर व्यापारिक नीति की समीक्षा की मांग की जाएगी।

पाकिस्तान का पक्ष लेना विश्वासघात

जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने बताया कि देश जिस गंभीर सुरक्षा संकट से गुजर रहा है, उस वक्त तुर्की और अजरबैजान का पाकिस्तान के पक्ष में आनाभारत के साथ विश्वासघात जैसा है। महासंघ ने फिल्म इंडस्ट्री से अपील की है कि कोई भी फिल्म इन देशों में शूट नहीं हो। अगर कोई ऐसा करता है, तो उसका बहिष्कार किया जाएगा। साथ ही कॉर्पोरेट ब्रांड्स को भी वहां जाकर अपने प्रोडक्ट्स का प्रमोशन शूट नही करना चाहिए। महामंत्री सुरेश सैनी ने कहा कि भारत ने तुर्की और अजरबैजान की मदद की, लेकिन उन्हनों ने पाकिस्तान का साथ देकर हमारी संप्रभुताको ठेस पहुंचाई है। कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडिया ने इसे भारत की दोस्ती के साथ अनादर बताया।

उत्पादों के बायकॉट अपील

अंबाला के लोग और व्यापारी भी तुर्की और अजरबैजान का बॉयकॉट करने की बात कर रहे है। लोगों का कहना है कि तुर्की और अजरबैजान से आने वाले सभी सामान का बॉयकॉट किया जाना चाहिए ताकि उसको सबक सिखाया जा सके। व्यापारी अतुल महाजन का कहना है कि अगरकोई सामान तुर्की या अजरबैजान से हमारे पास आएगा तो हम उसका बिल्कुल बायकॉट करेंगे।

आईआईटी बॉम्बे ने तुर्की से समझौते निलंबित किए

तुर्की के पाकिस्तान को समर्थन दिए जाने के बाद पूरे देश में गुस्सा है। इसी क्रम मेंआईआईटी बॉम्बे ने तुर्की के सभी विश्वविद्यालयों के साथ अपने समझौते निलंबित कर दिए हैं। आईआईटी बॉम्बे से पहले जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, कानपुर यूनिवर्सिटी, आईआईटी रुड़की समेत देश के तमाम विश्वविद्यालयों ने तुर्की के शैक्षणिक संस्थानों से अपने समझौते तोड़ लिए हैं। आईआईटी बॉम्बे ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर लिखा, तुर्की से जुड़ी भू-राजनीतिक स्थिति के कारण आईआईटी बॉम्बे अगले नोटिस तक तुर्की विश्वविद्यालयों के साथ अपने समझौते को निलंबित करने की प्रक्रिया कर रहा है। आईआईटी बॉम्बे तुर्की के कु छ संस्थानों के साथ फै कल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम चला रहा है। इससे पहले आईआईटी रुड़की ने भी तुर्की के इनोनूविश्वविद्यालय के साथ एमओयू को औपचारिक रूप से रद्द कर दिया था।

बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस

राजस्थानी संस्कृति को समर्पित डांस एल्बम का भव्य लॉन्च

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस में बियानी डांस क्लब और म्यूजिक क्लब द्वारा राजस्थानी संस्कृति को प्रमोट करने के उद्देश्य से लोकप्रिय राजस्थानी गीतों पर एक डांस एल्बम लॉन्च किया गया। इस गाने का विजन कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी का रहा, जिन्होंने न केवल राजस्थानी संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में यह पहल की, बल्कि कॉलेज की छात्राओं को एक मंच प्रदान किया, जिससे वे भविष्य में नई उड़ान भरने में सक्षम हो सकें। लॉन्चिंग के दौरान, असिस्टेंट डायरेक्टर सीए अभिषेक बियानी ने पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि इस गाने को अपने हुनर से तैयार करने के लिए डांसर्स ने बहुत मेहनत की हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अब हर महीने एक नया गाना और वीडियो लॉन्च किया जाएगा, जो राजस्थान के विभिन्न रंगों, परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहरों को दर्शाएगा। एल्बम के प्रोड्यूसर डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी हैं। क्रिएटिव डायरेक्शन सीए अभिषेक बियानी और सीए साक्षी बियानी ने संभाला, जबकि निर्देशन यश पंवार और एसपी जोधा ने किया। मुख्य भूमिका अनुष्का शर्मा और सुरभि बियानी ने निभाई, साथ ही नृत्य दल की कई प्रतिभाशाली छात्राओं ने शानदार प्रस्तुति दी। कोरियोग्राफी अंतरराष्ट्रीय कालबेलिया लोक नृत्य शैली में मीना सपेरा द्वारा की गई। आयोजन का प्रबंधन मोनिका पालीवाल और हीना शर्मा ने किया, और आपणो राजस्थान वेन्यू पार्टनर रहा। सभी के सहयोग से यह वीडियो सफलतापूर्वक तैयार हुआ।

नगर निगम-हेरिटेज का अल्टीमेटम

अवैध रेहड़ी-पटरी वाले सड़क किनारे खड़े मिले तो होगा एक्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम-हेरिटेज ने सड़क किनारे दुकान लगाने वाले अवैध विक्रेताओं को अल्टीमेटम दिया गया है। निगम ने कहा कि अल्टीमेटम के बाद भी दुकानें नहीं हटती हैं तो अब ठोस कार्रवाई होगी। सड़क पर अवैध अतिक्रमण से लगातार जाम लग रहा है। दरअसल, जयपुर के हेरिटेज क्षेत्र में स्ट्रीट वेंडर्स की संख्या अधिकृत सीमा से कई गुना ज्यादा हो गई है, ऐसे में सड़कों पर चलने में मुश्किल हो रही है। अब जयपुर नगर निगम-हेरिटेज (JMC-H) ने अवैध स्ट्रीट वेंडर्स के खिलाफ एक्शन लेने का मन बना लिया है। ऐसे में इन अवैध दुकानदारों को 10 का शख्त अल्टीमेटम दिया है।

बैठक में लिया गया निर्णय

जेएमसी-एच में आयोजित फुटपाथ विक्रेता पुनर्वास समिति की बैठक के दौरान इस मसले पर चर्चा हुई। समिति के अध्यक्ष रवि प्रकाश सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में समिति के सभी सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में अवैध वेंडिंग जोन और सार्वजनिक स्थानों को जाम में डालने वाले अवैध फेरीवालों के बढ़ते मुद्दे पर चर्चा की गई।

केशव विद्यापीठ में पुरातन छात्र सम्मेलन-2025 संपन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर में पुरातन छात्र समिति द्वारा पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रांत प्रचार प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जयपुर प्रचारक अविनाश पंवार रहे। अध्यक्षता केशव विद्यापीठ समिति सचिव श्री मेघसिंह चौहान ने की। इस सम्मेलन में केशव विद्यापीठ समिति संयुक्त सचिव अशोक कुमार गुप्ता, महाविद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष महेन्द्र अग्रवाल, महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. रीटा शर्मा, उप प्राचार्य डॉ. सतीश चन्द मंगल, पुरातन छात्र समिति अध्यक्ष डॉ. बी.के. गुप्ता, सचिव डॉ. मुदित राठौड़, कोषाध्यक्ष डॉ. रेवत सिंह मंचासीन रहे।

प्राचार्य प्रो. रीटा शर्मा ने महाविद्यालय का परिचय दिया। मुख्य अतिथि अविनाश पंवार ने पूर्व छात्रों को हनुमान कहते हुए महाविद्यालय से जुड़े रहकर इसके आदर्शों एवं जीवन मूल्यों को समाज में प्रसारित कर जीवन को सफल के साथ सार्थक बनाने के लिए प्रेरित किया तथा पर्यावरण, ग्लोबल वार्मिंग, सामाजिक समरसता पर चर्चा की। कार्यक्रम अध्यक्ष मेघसिंह चौहान ने महाविद्यालय के जीवन मूल्यों एवं भारतीय सांस्कृतिक विरासत का समाज में प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया। उद्घाटन सत्र में डॉ. बी.के. गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कोषाध्यक्ष डॉ. रेवत सिंह ने पुरातन छात्र परिषद का परिचय दिया। इस सत्र में सभी पूर्व छात्रों का परिचय करवाया गया। सम्मेलन में वर्ष 1982-83 से लेकर वर्तमान सत्र के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और अपने अनुभव और जीवन यात्रा साझा की। इस अवसर पर पूर्व छात्रों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मुक्त सत्र का आयोजन किया गया जिसमें सभी पूर्व छात्रों ने बढ़-चढ़कर रंगारंग प्रस्तुतियों देकर इस सम्मेलन को यादगार बनाया। अंत में सभी पूर्व छात्रों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन पूर्व छात्रा डॉ सपना शाह एवं डॉ. राजेन्द्र शर्मा ने किया। इस सम्मेलन के प्रभारी डॉ. मुदित राठौड़ रहे।

मोदी दौरे से पहले 4 IPS के तबादले

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 मई को प्रस्तावित राजस्थान दौरे से पहले भजनलाल सरकार ने चार आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर प्रशासनिक सख्ती का संकेत दिया है। इनमें दो जिलों हनुमानगढ़ और झुंझुनूं में नए पुलिस अधीक्षक नियुक्त किए गए हैं, जहां पहले के एसपी को हाल ही में शिकायतों के चलते एपीओ किया गया था। आदेश के अनुसार आईपीएस लोकेश सोनवाल को झुंझुनूं का पुलिस अधीक्षक (एसपी), हरिशंकर को हनुमानगढ़ का एसपी, और अमित जैन को बालोतरा का एसपी नियुक्त किया गया है। वहीं, शैलेंद्र सिंह इंदोलिया, जो पहले से ही एपीओ (अवेटिंग पोस्टिंग ऑर्डर) में थे, को जोधपुर पुलिस आयुक्तालय में उपायुक्त (मुख्यालय और यातायात) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्मिक विभाग ने मंगलवार को इन तबादलों के आदेश जारी किए।

अलवर में श्वेत क्रांति द्वितीय चरण एवं अलवर दुग्ध संघ दिवस कार्यक्रम

राज्य और केन्द्र किसान-पशुपालकों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध-शर्मा

लगभग 23 करोड़ रूपये की सिलीसेढ़ पेयजल परियोजना का शिलान्यास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दुग्ध संघ पशुपालकों के सामर्थ्य के प्रतीक के रूप में उभर रहे हैं। छोटे पशुपालकों की यह संस्थाएं, जिस बड़े पैमाने पर संगठित होकर काम कर रही है, वह 'सहकार ही शक्ति है' को धरातल पर सफलता से क्रियान्वित कर रही है। इन संघों ने विकास, जनभागीदारी और आत्मनिर्भरता के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की डेयरी क्षेत्र में सक्रियता प्रमुखता से बढ़ी है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तीकरण हो रहा है।

शर्मा अलवर में श्वेत क्रांति द्वितीय चरण एवं अलवर दुग्ध संघ दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सिलिसेढ़ क्षेत्र से नलकूप व पाइपलाइन के माध्यम से अलवर शहर की पेयजल योजना संवर्द्धन कार्य (लगभग 23.27 करोड़ रू.) का शिलान्यास और अलवर डेयरी के नवीन उत्पाद मावा तथा 15 किलो के पैक में टोन्ड मिल्क के दही की लाचिंग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पशुपालकों और किसानों की मेहनत का उत्सव है। अलवर के गांवों ने 50 से अधिक साल पहले अलवर दुग्ध संघ के रूप में जो पौधा लगाया था, आज वह एक वटवृक्ष बन गया है। जब इस दुग्ध संघ की स्थापना हुई थी, तब यह 500 लीटर दूध का संकलन करता था, जो वर्तमान में रोजाना औसतन डेढ़ लाख लीटर हो गया है। साथ ही, यह संघ करीब 50 हजार लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करवा रहा है।

महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मोती डूंगरी स्थित पार्क में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। लगभग 50 लाख रूपये की लागत से बनी यह प्रतिमा पंचधातु से निर्मित है। प्रतिमा की उंचाई साढ़े 12 फीट और वजन 2 हजार 200 किग्रा है। शर्मा ने यहां मौलश्री पौधे का रोपण भी किया।

केन्द्र और राज्य ने किसानों-पशुपालकों के कल्याण के लिए उठाए निर्णायक कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार किसान-पशुपालकों के कल्याण और डेयरी क्षेत्र के उत्थान के लिए निर्णायक कदम उठा रही है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की सम्मान निधि देने का काम किया है जिसे हमने राजस्थान में बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में गेहूं के समर्थन मूल्य पर अतिरिक्त बोनस दिया जा रहा है और आज यह देश में सर्वाधिक है।

बिजली-पानी की पर्याप्त आपूर्ति होगी सुनिश्चित

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से राजस्थान को राम जल सेतु लिंक परियोजना की सौगात मिली है। इस योजना के माध्यम से अलवर सहित पूर्वी राजस्थान को पेयजल और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा। वहीं, शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौते और माही, देवास परियोजना के विकास का काम भी हाथ में लिया गया है। हमनें इंदिरा गांधी नहर परियोजना के लिए 3400 करोड़ रूपये भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी किसानों को 2027 तक दिन में ही बिजली देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में लगभग 60 हजार से अधिक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध भी करवाई जा रही है। साथ ही, हम फीडर सुधार योजना पर भी प्रमुखता के साथ कार्य कर रहे हैं।

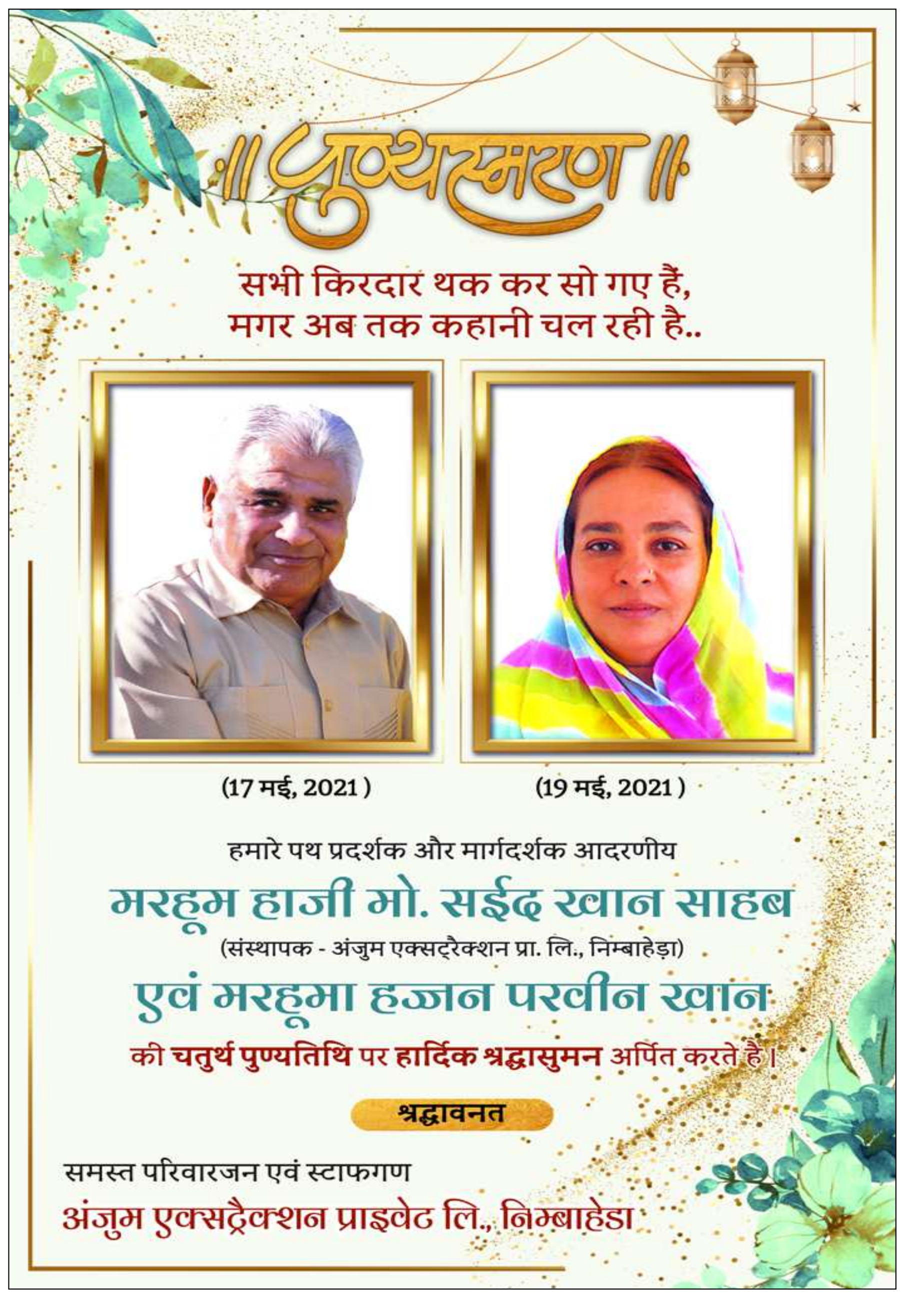

राज्यपाल श्री बागडे से विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने मुलाकात की

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से राजभवन में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल बागडे को वर्ष प्रतिपदा पर प्रकाशित नववर्ष की डायरी भेंट की। देवनानी और बागडे ने इस दौरान विभिन्न विषयों पर संवाद किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगा बाबा सहित विभिन्न मंदिरों एवं गुरूद्वारे में किए दर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर के त्रिपोलिया हनुमान मंदिर, श्री सांगा बाबा भौम्या जी महाराज मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। शर्मा ने गुरूद्वारे में भी मत्था टेका एवं प्रदेश की खुशहाली की अरदास की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी सांगानेर में दर्शन किए तथा वहां मौजूद आमजन से आत्मीय मुलाकात की। इसके पश्चात श्री शर्मा ने सांगानेर में ही प्राचीन श्री बाबा रामदेव मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की।

भक्ति में शक्ति-श्रीराम मंदिर पाटोत्सव

राखी ने किया 24 घंटे लगातार एक आसन पर अखंड रामायण पाठ

जयपुर @ जागरूक जनता। लोग कहते हैं कि भक्ति में शक्ति है। इसको चरितार्थ किया है एक साधारण गृहणी राखी खंडेलवाल ने। अभी हाल ही में विद्याधर नगर सेक्टर-8 के पापड़वाले श्री हनुमान मंदिर प्रांगण में कनक भवन श्रीराम मंदिर का पाटोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न हुआ है। वहां हर वर्ष मंदिर के महंत संतश्री रामसेवकदासजी के सान्निध्य में प्रति वर्ष 108 आसन पर 24 घंटे की अखंड रामायण का पाठ आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी यह कार्यक्रम बहुत ही हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। 108 आसनों पर रामायण पढ़ने वाले भक्तों ने पाठ किया, मगर सभी आसनों पर पठन करने वाले थोड़े-थोड़े समय के अंतराल पर बदलते रहे। इन सबके बीच विद्याधर नगर सेक्टर-4 जे.पी. कॉलोनी में रहने वाली राखी खंडेलवाल ने बिना कुछ खाए-पीए एक ही आसन पर लगातार बैठकर 24 घंटे तक रामायण पाठ किया। जो कि साधारण मनुष्य के लिए एकाएक संभव नहीं हो पाता है। हां कई साधक लोग भले ही ऐसा करने में सक्षम हो सकते हैं। लोगों के आग्रह करने पर आसन पर बैठे हुए 24 घंटे में मात्र चरणामृत ग्रहण किया और आसन को नहीं छोड़ा। अगले दिन सुबह जब रामायण का विश्राम हुआ तब पापड़ वाले मंदिर के महंत संतश्री रामसेवकदास जी ने इन्हें शॉल ओढ़ाया और हनुमानजी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। जैसे ही लोगों को पता चला कि साधारण सी महिला राखी खंडेलवाल ने 24 घंटे एक आसन पर रामायण का पाठ किया है तो श्रद्धालु इनके पैर छूने लग गए और आशीर्वाद मांगने लगे तो इन्हें बड़ा आश्चर्य हुआ। ये एकाएक ऐसा माहौल देखकर आश्चर्यचकित हो गई और सबको इन्होंने कहा कि मैं इस योग्य नहीं हूं कि आपको आशीर्वाद दूं। ये सब तो भगवान श्रीरामचन्द्रजी, हनुमानजी एवं बाबा का आशीर्वाद है। बातचीत में मूल रूप से बस्सी की रहने वाली 45 वर्षीय राखी खंडेलवाल ने बताया कि हमें बचपन से ही रामायण पढ़ने का शौक है और जैसे ही मुझे पता चला कि पापड़वाले हनुमान मंदिर में पाटोत्सव कार्यक्रम में अखंड रामायण का पाठ होगा, किसी मिलने वाले से फार्म भरकर जमा करवा दिया और कार्यक्रम में शामिल हो गई। राखी ने बताया कि इस रामायण पाठ और श्रद्धालुओं के प्यार-प्रेम की अनुभूति से बहुत प्रसन्न हूं और आगे भी ऐसा अवसर मिलेगा तो मैं पुनः ऐसा प्रयास करूंगी।

प्रवेश सूचना

राष्ट्रीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली

प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार की सी.टी.एस. योजना में अगस्त, 2025 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड, प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए हैं :

क्र. स.	ट्रेड का नाम	सीटें	प्रशिक्षण की अवधि	प्रवेश योग्यता
1.	हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर	108	1 वर्ष	दसवीं कक्षा परीक्षा उत्तीर्ण हो।
2.	फिजियोथेरपी तकनीशियन	60	1 वर्ष	दसवीं कक्षा परीक्षा उत्तीर्ण हो।
3.	डेंटल लैब तकनीशियन	24	2 वर्ष	दसवीं कक्षा परीक्षा उत्तीर्ण हो।
4.	रेडियोलॉजी तकनीशियन	20	2 वर्ष	बारहवीं कक्षा परीक्षा (विज्ञान वर्ग) उत्तीर्ण हो।

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखें।

1. **प्रमाण पत्र :** पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद, सफल प्रशिक्षुओं को राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (NCVT), भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो कि केंद्र सरकार/राज्य सरकारों/पीएसयू के अधीन अधीनस्थ पदों और सेवाओं की भर्ती के लिए मान्यता प्राप्त योग्यता है।
2. **चयन प्रक्रिया :** सभी सीटों पर दाखिले 'पहले आओ तथा पहले पाओ' के आधार पर किए जाएंगे।
3. **आयु :** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त 2025 को कम से कम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करें :** उम्मीदवार संस्थान की वेबसाइट **www.nitcindia.com** से प्रवेश पत्र ऑनलाइन भरकर ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।
   आवेदन विवरणिका को रुपये 200/- का नकद भुगतान करके संस्थान से भौतिक रूप से भी लिया जा सकता है।
   नोट : फॉर्म भरते समय रुपये 500/- का अप्रतिदेय पंजीकरण शुल्क भी देय होगा।
5. **छात्रवृत्ति :** प्रवेश के पश्चात् आय प्रमाण पत्र रखने वाले आरक्षित वर्ग के छात्र भारत सरकार की ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति की छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।
6. **बस–पास सुविधा :** सरकार छात्रों को 100 रुपये प्रति माह की दर से रियायती बस–पास सुविधा प्रदान करती है, यह दिल्ली में चलने वाली सभी एसी और गैर–एसी बसों में मान्य है।
7. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइट **www.nitcindia.com** पर लॉग ऑन करें।
8. **प्रवेश की अंतिम तिथि : 30 जून, 2025**

निदेशक

राष्ट्रीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली
30–34, सेवक पार्क, द्वारका मोड़ मेट्रो स्टेशन, पिलर नं.–771 के सामने, मेन नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली – 110059
व्हाट्स ऐप हेल्पलाइन : 9315138815, 011–42828067 (सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक)
वि.स. प्र./औ./25

सम्पादकीय

एक मिशन, एक संदेश, एक भारत

32 देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पर विवाद

भारत पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को उजागर करने और ऑपरेशन सिंदूर के तहत अपनी कार्रवाई का सही मकसद दुनिया के सामने रखने के लिए 'एक मिशन, एक संदेश, एक भारत' के तहत 32 देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजे जाने का फैसला विवादों में घिर गया है। सरकार ने इस उद्देश्य के लिए बड़ी सावधानी से राजनेताओं और पूर्व राजनयिकों का चयन किया है, लेकिन इनमें एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम से लोक सभा सदस्य शशि थरूर को सौंपा जाना उनकी पार्टी को अखर गया है।

केंद्र ने अपने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में 44 सांसदों, छह पूर्व केंद्रीय मंत्रियों और आठ पूर्व राजनयिकों को चुना है। सात प्रतिनिधिमंडलों की संरचना देश की विविधता को दर्शाती है, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद, एमजे अकबर, सलमान खुर्शीद और एसएस आहलुवालिया, इनके प्रमुख सदस्य हैं। इनमें से कोई भी इस समय किसी भी सदन का सदस्य नहीं है। कांग्रेस के आनंद शर्मा और भाजपा के वी. मुरलीधरन भी पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं, लेकिन वे भी सांसद नहीं हैं। पूर्व राजनयिकों में सैयद अकबरुद्दीन, तरनजीत सिंह संधू, जावेद अशरफ, मंजीव एस. पुरी, हर्षवर्धन श्रृंगला, पंकज सरन, मोहन कुमार और सुजोन चिनॉय शामिल हैं। थरूर के अलावा, सात प्रतिनिधिमंडलों में कांग्रेस के अन्य चार नेता सलमान खुर्शीद, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी और अमर सिंह हैं। इनमें से, केवल शर्मा ही उन चार नामों में से एक रहे, जो लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार को सुझाए थे। सरकार ने गांधी के अन्य सुझावों, गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वाडिंग (राजा बराड़) को नजरअंदाज कर दिया। कांग्रेस ने सरकार द्वारा पार्टी की सिफारिशों को नजरअंदाज करने को शरारत बताते हुए आपत्ति जताई है। कांग्रेस संचार प्रमुख जयराम रमेश ने कहा, 'हमें उम्मीद थी कि सरकार ईमानदार इरादे से नाम मांग रही है। हमें नहीं पता था कि वे शरारती मानसिकता से ऐसा कर रहे थे।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या कांग्रेस और उसके कुछ नेताओं के बीच क्या अविश्वास है, तो रमेश ने कहा, 'कांग्रेस में होने और कांग्रेस का होने में जमीन-आसमान का अंतर है।' हालांकि, थरूर ने कहा कि उन्हें प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस हो रहा है। कांग्रेस को उस समय और धक्का लगा जब इंडिया गठबंधन के सहयोगियों ने भी निमंत्रण स्वीकार कर लिए। राकांपा (एसपी) की सुप्रिया सुले, डीएमके की कनिमोई और तृणमूल कांग्रेस की ओर से सांसद यूसुफ पठान का नाम है। हाल के दिनों में थरूर के बयानों से पार्टी असहज होती रही है। लेकिन केरल विधान सभा चुनाव अगले साल मई में होंगे। ऐसे में पार्टी को अपने स्टार सांसद से निपटने में सावधान बरतनी होगी।

हाथ से मैला ढोना देश की उन कुरीतियों में से एक है, जो आज भी समाज के एक वर्ग को अमानवीय जीवन जीने के लिए विवश करती है। यह प्रथा मुख्य तौर पर निम्न जातियों, विशेषकर दलितों, पर थोपी गई है, जो सदियों से सामाजिक शोषण और भेदभाव का शिकार रही हैं।

हाथ से मैला ढोने की प्रथा-एक कलंक जो न जाने कब मिटेगा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

> हाथ से मैला ढोने की प्रथा सिर्फ एक सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि मानवाधिकारों का उल्लंघन है। जब तक समाज में समानता और सम्मान की भावना नहीं आएगी, तब तक यह प्रथा पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकेगी।

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब देश में सीवर लाइनों और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान सफाई कर्मचारी की मौत का कोई न कोई मामला सामने नहीं आता होगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, हर पांचवें दिन एक सफाई कर्मचारी की मौत होती है, हालांकि सफाई आंदोलन से जुड़े लोगों का मानना है कि मौतों की संख्या सरकारी आंकड़ों से कहीं अधिक है। एक आंकड़े के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में सफाई के दौरान मुंबई नगर निगम के 2,721 सफाईकर्मियों की मौत हुई है। ऐसी मौतें अन्य शहरों में भी हुई हैं। छोटे-बड़े सभी शहरों के आवासीय-कार्यालय परिसरों के सीवर एवं सेप्टिक टैंकों की सफाई के लिए ठेकेदारों द्वारा अकुशल सफाई कर्मचारियों को बिना बेल्ट, मास्क, टॉर्च और अन्य बचाव उपकरणों के 10-15 मीटर गहरे टैंकों में उतार दिया जाता है, जहां कई बार जहरीली गैसों से कर्मियों की मौत हो जाती है।

खतरनाक अपशिष्ट की हाथ से सफाई की निरंतर प्रथा को देखते हुए पिछले हफ्ते ही राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने राज्यों को लिखे पत्र में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2023 के ऐतिहासिक निर्णय (डॉ. बलराम सिंह बनाम भारत संघ, 2023) में जारी किए गए 14 निर्देशों की तत्काल पालना सुनिश्चित करने को कहा है। इन निर्देशों का उद्देश्य हाथ से मैला ढोने की प्रथा और खतरनाक सीवर की सफाई की अमानवीय और जाति-आधारित परंपरा को खत्म करना है। आयोग ने कहा है कि यह प्रथा मानवाधिकारों, विशेष रूप से सम्मान के साथ जीने के अधिकार और कानून के समक्ष समानता के अधिकार का गंभीर उल्लंघन है।

आयोग ने पाया है कि संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा उपायों के साथ-साथ सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 29 जनवरी, 2025 को छह प्रमुख शहरों-दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में पूर्ण प्रतिबंध की घोषणा के बावजूद, देश के कुछ भागों में खतरनाक कचरे की हाथ से सफाई की खबरें आ रही हैं। हम सब जानते हैं कि हाथ से मैला ढोना देश की उन कुरीतियों में से एक है, जो आज भी समाज के एक वर्ग को अमानवीय जीवन जीने के लिए विवश करती है। यह प्रथा मुख्यतः निम्न जातियों, विशेषकर दलितों, पर थोपी गई है, जो सदियों से सामाजिक शोषण और भेदभाव का शिकार रही हैं।

हालांकि सरकार ने इसे कानूनी रूप से प्रतिबंधित किया है, फिर भी यह प्रथा आज भी कुछ हिस्सों में जारी है। जातिगत व्यवस्था की मजबूत पकड़ से बंधे ये बेबस लोग समाज में आज भी तिरस्कृत हैं। इसलिए इनकी बेरहम मौतों पर सभ्य समाज में न तो कोई प्रतिक्रिया होती है, न ही इनकी स्मृति में कोई कैंडल मार्च निकलता है। न ही यह राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बनता है। हाथ से मैला ढोना दरअसल एक ऐसी अमानवीय प्रथा है जिसमें कुछ व्यक्ति, विशेषकर महिलाएँ, दूसरों के शौचालयों या खुले में शौच के स्थानों से मल-मूत्र को हाथों, झाड़ू या टोकरी की सहायता से साफ करते हैं और उसे सिर या पीठ पर ढोकर फेंकने जाते हैं। यह कार्य अत्यंत अस्वास्थ्यकर और अपमानजनक होता है। इतिहास के पन्नों पर नजर डालें तो हमें पता चलता है कि जाति व्यवस्था के कारण देश में कुछ समुदायों को 'अछूत' घोषित कर दिया गया। यही वर्ग इस घृणित कार्य के लिए मजबूर किया गया। यह कार्य एक प्रकार का सामाजिक उत्पीड़न है जो सदियों से चली आ रही व्यवस्था को दर्शाता है।

कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि हाथ से मैला ढोना न केवल अपराध है, बल्कि मानव गरिमा के विरुद्ध भी है। सरकार ने इसके उन्मूलन के लिए ठोस कानूनी ढांचा खड़ा किया है, लेकिन इसकी सफलता का वास्तविक आधार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन और जनजागरूकता पर निर्भर करता है। सेप्टिक टैंक की सफाई में 21 दिशानिर्देशों का पालन करना आवश्यक होता है, जिसमें विशेष सूट, ऑक्सीजन सिलेंडर, सेफ्टी बेल्ट आदि सुरक्षा उपकरण आवश्यक हैं और अतिरिक्त आपातकालीन सुरक्षा के लिए एंबुलेंस को पहले सूचित करने का प्रावधान भी शामिल है। मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए ये आंकड़े 'स्वच्छता अभियान' के दौरान एकत्र किए गए। देश के 766 जिलों में चलाए गए इस अभियान के तहत पाया गया कि केवल 520 जिलों में ही इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सका है। इससे अधिक अमानवीय क्या हो सकता है कि जो लोग शुष्क शौचालयों की सफाई में शामिल हैं, वे नंगे हाथों से ऐसा करते हैं और फिर मानव मल को अपने सिर पर रख दूरदराज के स्थानों पर निपटान करते हैं।

हाथ से मैला ढोने की प्रथा को गैर-कानूनी घोषित करते हुए इस अमानवीय परंपरा को समाप्त करने के लिए विभिन्न कानून बनाए हैं। इस दिशा में पहला बड़ा कानूनी प्रयास 1993 में किया गया, जब हाथ से मैला ढोने की प्रथा (निषेध) अधिनियम, 1993 बनाया गया। इस कानून के तहत शुष्क शौचालयों (ड्राई लैट्रिन) के निर्माण और सफाई को अपराध घोषित किया गया। हाथ से मैला ढोने वालों को रोजगार के वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराने की बात कही गई। उल्लंघन करने पर जेल और जुर्माने का प्रावधान किया गया। लेकिन इस कानून का प्रभाव बहुत सीमित रहा, क्योंकि इसमें प्रभावी पुनर्वास, सजा के कठोर प्रावधान और जमीनी निगरानी प्रणाली की कमी थी। इसके बाद हाथ से मैला ढोना और शुष्क शौचालयों का निर्माण निषेध अधिनियम, 2013 बना। यह कानून 1993 के कानून को संशोधित करके बनाया गया, ताकि इसे अधिक सख्ती से लागू किया जा सके। इसमें भी हाथ से मैला ढोने को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया। शुष्क शौचालयों के निर्माण, उपयोग और रखरखाव पर रोक लगाई गई। स्थानीय निकायों (नगर निगम, पंचायतों) को जिम्मेदार ठहराया गया कि वे इस प्रथा को समाप्त करें और रिपोर्ट करें। इनके अलावा, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 भी है, जिसमें कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति को जाति के आधार पर इस प्रकार के कार्य करने के लिए बाध्य किया जाता है, तो इसे गंभीर अपराध माना जाएगा। आज कई स्वयंसेवी संस्थाएँ और सामाजिक कार्यकर्ता इस प्रथा को समाप्त करने के लिए कार्यरत हैं। सुलभ इंटरनेशनल जैसी संस्थाओं ने शौचालय निर्माण और स्वच्छता जागरूकता में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही, शिक्षा, पुनर्वास और वैकल्पिक रोजगार के जरिए इन परिवारों को मुख्यधारा में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन हाथ से मैला ढोने की कुप्रथा अब तक पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

हमारी नासमझी अपनों के लिए धीमी मौत बन रही है?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

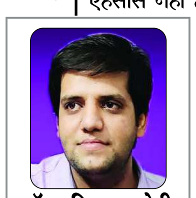

डॉ. अभिलाष मोदी
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

जब कोई व्यक्ति नासमझी और गैर-जिम्मेदारी भरी ज़िंदगी जीता है,तो अक्सर उसे इस बात का एहसास नहीं होता कि उसकी यह जीवनशैली उसके आसपास के लोगों के लिए एक धीमी मौत जैसी हो जाती है। यह एक तरह की "बेहोशी भरी ज़िंदगी" होती है, जो न केवल स्वयं को, बल्कि उन अपनों को भी धीरे-धीरे तोड़ देती है, जो हर दिन तुम्हें देख रहे होते हैं और तुमसे कुछ उम्मीदलगाए बैठे होते हैं।

हम अक्सर जीवन को केवल अपने आनंद, अपने आराम और अपनी सुविधा के नज़रिए से देखने लगते हैं। इसनज़रिए में हमारी दुनिया सिकुड़कर बस "मैं और मेरा" बन जाती है। हम भूलजाते हैं कि हमारे छोटे-छोटे निर्णय, हमारे जीवन कीशैली, हमारे उठने-बैठने के तरीके, यहाँ तक कि हमारी चुप्पी और गैर-जिम्मेदारी–ये सब कुछ हमारे आसपास के लोगों को प्रभावित कर रहे होते हैं, और हमारी जीवनशैली कई बार इतनी गैर-जिम्मेदारी और नासमझी से भरी होती है कि हम उन्हें भीतर ही भीतर परेशान कर रहे होते हैं। अगर हम थोड़ा ठहरकर समझ की निगाहों से देखें, तो साफ दिखता है कि कुछ गलत हो रहा है, और वह सही होना चाहिए। लेकिन जब हम सिर्फ बाहरी निगाहों से देखते हैं, तो लगता है, "सब ठीक है, जो चल रहा है, चलने दो।"

उदाहरण के तौर पर, एक 22-23 वर्षीय युवक है, जो घर का इकलौता बेटा है। सुबह 8:30 बजे तक उठता है, फिर सुस्ताने के बाद दिनचर्या के कुछ कार्य करता है। फिर जिम जाता है, 11 बजे तक जिम से आता है, लौटकर खाना खाता है, फिर मोबाइल चलाने लग जाता है और दोपहर में सो जाता है। फिर उठता है और शाम को दोस्तों के साथ घूमता-फिरता है, बाहर का खाना खाता है, फिर गप्पबाज़ी करता है, फिर 9 बजे से वेबसीरीज़ देखने लगता है, फिर रील्स–और रात 1 बजे तक सोता है। इस पूरी दिनचर्या में उसने न रिश्तों को समय दिया, न सेल्फ डेवलपमेंट को। वह पूरी तरह से "मैं" में जी रहा है। जब माता-पिता इसे देखते हैं, तो शुरू में वे कुछ कहने की भी कोशिश करते हैं, पर मोबाइल चलते हुए जवाब मिलता है– "मुझे मत सुनाया करो ज़्यादा", एक वक्त के बाद वे कुछ कह भी नहीं पाते, क्योंकि डर होता है कि कहीं कोई गलत कदम न उठा ले। वे अंदर से घुटते हैं, बेचैन रहते हैं।

इसी तरह की एक लड़की का उदाहरण लें, लगभग 25 वर्ष की युवती, जो स्वयं न तो किसी नौकरी में है, न कोई पढ़ाई कर रही है। जब उससे पूछा जाए कि "क्या कर रही हो?" तो जवाब मिलता है:"कुछ नहीं, बस मैं तो ज़िंदगी इंजॉय करना चाहती हूँ।"उसकी भी सुबह देर से शुरू होती है, और वह सुबहउठते ही मोबाइल चलाने लग जाती है। मम्मी कुछ कहें कि "बेटा, चाय तो बना ले", तो चिढ़ चिढ़ा सा जवाब मिलता है–"आप मुझे मत सिखाओ, मैं मेरे हिसाब से बना लूँगी।" फिर वह धीरे-धीरे 11 बजे तक नहाकर तैयार होती है और रील्स देखते हुए खाना खाती है और कोई कॉमेडी सीरियल लगाकर बैठ जाती है, 2 बजे तक टीवी देखती है और फिर थोड़ा सो जाती है। 4 बजे उठकर किसी पास के कोचिंग सेंटर में मन मारकर टाइम पास करने के उद्देश्य से कोई कोर्स करने चली जाती है। वहां अपनी फ्रेंड्स के साथ बातचीत करती है और 6-7 बजे तक घर आ जाती है। कई बार वह बाहर ही कुछ चौपाटी पर खाकर आती है, फिर घर पर आकर सोफे पर बैठकर मोबाइल चलाने लगती है। माँ-बाप यह सब होता हुआ हर रोज़ देखते हैं और उसे कई बारकहते हैं–"बेटा, तू बड़ी हो रही है, थोड़ी तो ज़िम्मेदार बन", तो लड़की कहती है, "कुछ साल बाद तो वैसे भी मैं इन सब फालतू काम-काजों में फँस ही जाऊंगी, अभी तो मुझे मज़े करने दो।" माँ जब प्यार से उसे समझाना भी चाहती है कि यह सब फालतू काम-काज नहीं, जिम्मेदार होना और समझदारी से लाइफ जीना भी जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, तो वह यह कहकर टाल देती है–"दिन भर भाषण मत दिया करो यार आप।"

ऐसे बेहोशी, नासमझी और गैर-जिम्मेदारी के साथ जीते हुए बच्चों के माता-पिता मन में कई बार सोचते हैं और मन ही मन दु:खी और परेशान भी होते हैं कि यह लड़की कैसे ज़िम्मेदार और समझदार बन पाएगी? क्या यह बेटा कभी ज़िम्मेदार बनेगा? क्या सिर्फ उम्र बढ़ जाने मात्र से उनमें समझदारी और ज़िम्मेदारी आ पाएगी? इन सारी बातचीत में समझने वाली बात यह है कि जब मेहनत हमारी मूल प्रवृत्ति नहीं होती और वह हम पर थोपी जाती है, तो उसके साथ स्वाभाविक रूप से चिड़चिड़ापन, बद्तामीजी और ज़िंदगी व लोगों को लेकर अनगिनत शिकायतें जन्म ले लेती हैं। यही कारण है कि कई बार बच्चों के मन में यह विचार तक नहीं आता कि माता-पिता भी बूढ़े हो रहे हैं, शायद वे भी किसी परेशानी से गुजर रहे हैं। ऐसे बच्चे अपनी दुनिया में इतने खोए हुए होते हैंकि अपनों के साथ हर वक्त जीने के बावजूद किसी को अपनेपन का एहसास नहीं दिला पाते। और जब ऐसे बच्चे माता-पिता बनते हैं, तो बच्चे उनके लिए केवल टेडी बियर बन जाते हैं–थोड़े समय की खुशी का साधन। उनमें ज़िम्मेदारी का कोई स्थायी भाव नहीं होता। जब ज़िम्मेदारी हमारी कोर वैल्यू न हो, तो उसका भार ही व्यक्ति को भीतर से परेशान करता रहता है।

इसलिए यह गहरे से समझना ज़रूरी है कि, कहीं हम भी तो ऐसा जीवन नहीं जी रहे जिसमें हमारे अपने हीहमारी वजह से घुट रहे हों? क्या हमारे माँ-बाप, भाई-बहन, दोस्त, साथी हमसे खुलकर बात कर पाते हैं? क्योंकि संवाद, सहयोग और समझदारी से ही वह वातावरण बनता है जिसमें परिवार खुशहाल बनता है। अगर हम किसी कारण से समय नहीं दे पा रहे, तो कम से कम हम अपने जीवन की दिशा ऐसी रखें कि लोग आपको देखकर प्रेरित हों, न कि परेशान। अगर हम इसी तरह बेहोशी भरी ज़िंदगी जीतेरहे– तो हम भी उसी श्रेणी में आ जाएंगे, जब हम किसी दिनमाँ-बाप बनकर अपने ही बच्चों की गैर-जिम्मेदारी का रोना रोएँगे। इसलिए एक बार ठहरिए और सोचिए–क्या मैं एक ऐसा जीवन जी रहाहूँ जिसे देखकर मेरे अपने निराश होते हैं? क्या मेरीनासमझी किसी अपने के लिए धीमी मौत का कारण बन रही है?

अंत में यही कहना चाहूँगा, एक शानदार जीवन हमारा इंतज़ार कर रहा है, पर वह तभी संभवहै जब हम ज़िम्मेदारी को बोझ नहीं समझें, हम यह समझ पाएँकि यह एक सौभाग्य है, सम्मान है। अपने आस-पास के करीबी लोगों को यह एहसास दिला पाना कि"मैं हूँ, हम हैं"–यह दुनिया की सबसे बड़ी सेवा, सुख और सबसे सुंदर संवाद है।

आखर आखर-झरे उजियार

ऐसे शख्स भी हैं जो बोल और बर्ताव से दिलों में घर कर लेते हैं

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जन जीवन विविध रंगों से सजा जैसे एक प्यारा इंद्रधनुष है। इसमें संयोग वियोग है, प्यार है आदर है, सुख दुःख है, रोग है आरोग्य है, व्यंजन है, मनोरंजन है, जन्म है, परण और निर्वाण है.नीति है,अनीति है, राजनीति है, अर्थ नीति, गृह नीति है विदेश नीति है। जीवन कितने विविध रंगों से उकेरी गई सुन्दर चित्रावली है। जन जीवन से राजनीति भी अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। सयाने लोग राजनीति को निंदित कर सकते हैं, परंतु नकार नहीं सकते। राजनीतिक क्षेत्र में भी कुछ लोग अपने बोल, व्यवहार और अंदाज़ से लोगों के दिलों में घर कर लेते हैं। एक किस्सा याद आ रहा है। डॉक्टर राम मनोहर लोहिया कार द्वारा इलाहबाद से रीवां जा रहे थे। बीच रास्ते गाड़ी खराब हो गई। गाड़ी ठीक होने में काफ़ी समय लगा। लोहिया जी को लगी भूख। उन्होंने सड़क पर चना चबेना बेचने वाली बूढ़ी महिला से बात कीङ्ग"माई, भूख लगी है। कुछ खाने को दो। "

बुढ़िया ने गुड़ चने की डली उन्हें पकड़ा दी। लोहिया जी ने गुड़ चने खा कर तसल्ली की साँस ली। उन्होंने जेब से रुपया निकाला और माई को देना चाहा। वृद्ध महिला ने प्यार से डांटते हुए कहा, बावले हो। माई कहते हो और माई के हाथों दिए चने की कीमत लगाते हो। शर्म नहीं आती। वृद्ध महिला की डांट सुन कर लोहिया जी भाव विभोर हो गए। उन्होंने उसके चरण स्पर्श किए और कहा, आप वास्तव में मेरी माई हो। इस घटना के बाद जब भी लोहिया जी उधर से गुजरते, माई के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेना नहीं भूलते।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

मनु की सतानों का वर्णन- महाराज मनु ने शतरूपा से पांच संतान उत्पन्न की। दो पुत्र प्रियव्रत और उत्तानपाद। तीन कन्या-आकूति, देवहूति और प्रसूति। आकूति का विवाह रुचि प्रजापति से, देवहूति का कर्दमजी से और प्रसूति का विवाह दक्ष प्रजापति से हुआ। इन तीनों कन्याओं की संतति से सारा संसार भर गया। महाराज मनु की दूसरी पुत्री देवहूति कर्दमजी के साथ ब्याही गई। कर्दमजी और देवहूति के भगवान विष्णु के अवतार सांख्य शास्त्र के प्रणेता कपिल मुनि का जन्म हुआ। उनके नौ कन्याओं ने भी जन्म लिया। उनमें से आठ का ब्रह्माजी के पुत्रों के साथ विवाह हुआ। 1. कलला का मरीचि से. 2. अनुसूया का अत्रि से, 3. श्रद्धा का अंगिरा से 4. हविर्भु का पुलस्त्य से 5. गति का पुलह से 6. क्रिया का क्रतु से 7. ख्याति का भृगु से 8. अरुंधति का वशिष्ठ से और 9वीं कन्या शांति का विवाह अथर्वा ऋषि से हुआ। अत्रि की पत्नी अनुसूया से दत्तात्रेय, दुर्वासा और चन्द्रमा उत्पन्न हुए। अत्रि मुनि के यहां भगवान विष्णु, शंकर और ब्रह्मा ने अपने अंश से जन्म लिया। विष्णु के अंश दत्तात्रेय, शंकर के अंश मुनि दुर्वासा और ब्रह्मा के अंश से चन्द्रमा जन्मे। अंगिरा ऋषि की पत्नी श्रद्धा से चार कन्याएं जन्मी-सिनीवाल, कुहू, राका और अनुमति। इनके दो पुत्र हुए-मुनि उतथ्य और देवगूरू बृहस्पति। पुलस्त्य जी की पत्नी हविर्भू से अगस्त्य जी और महातपस्वी विश्रवा दो पुत्र हुए। क्रमशः

ओपिनियन

नीतिगत उपायों को मिलेगी नई दिशा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ने पिछले सप्ताह आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण का पहला मासिक बुलेटिन जारी किया। इस बुलेटिन में उल्लेख किया गया है कि भारत के आधिकारिक आंकड़े तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की मांग पूरी करना शुरू कर चुके हैं। कई अर्थशास्त्री और विश्लेषक कह चुके हैं कि रोजगार की वास्तविक स्थिति समझने के लिए भारत में कम समय के अंतराल पर आंकड़े जारी करने की जरूरत है। आधिकारिक आंकड़ों के अभाव में विश्लेषक निजी स्रोतों से आंकड़ों का उपयोग कर रहे थे। इन आकड़ों की व्यापकता एवं उन्हें हासिल करने की विधि अक्सर सवाल के घेरे में आ रहे थे।

एनएसओ (NSO) के बुलेटिन में कहा गया है कि भारत में 15 वर्ष एवं उससे अधिक उम्र की आबादी की श्रेणी में बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत से ऊपर रही है। हालांकि, गणना विधि में बदलाव के कारण इसकी तुलना पुराने श्रम आंकड़ों से सीधे तौर पर नहीं की जा सकती है। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 6.5 प्रतिशत थी जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 4.5 प्रतिशत दर्ज की गई। रोजगार की स्थिति का आकलन करने के लिए सात दिन के ब्योरे पर आधारित इन आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में श्रम भागीदारी दर 55.6 प्रतिशत थी और शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में काफी फर्क देखा गया। यह भी नजर में आया कि दोनों ही क्षेत्रों में श्रम बल में स्त्री-पुरुष अनुपात में ऊंचा अंतर लगातार बना हुआ है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने हाल में ही पीएलएफएस में कई बदलाव की घोषणा की थी जिनमें प्रमुख श्रम बाजार संकेतकों (जैसे ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए श्रम भागीदारी दर और बेरोजगारी दर) के मासिक अनुमान जारी होने का नया प्रावधान भी शामिल है। तिमाही सर्वेक्षण की जद में अब ग्रामीण क्षेत्र भी आएंगे और सालाना रिपोर्ट कैलेंडर वर्ष के साथ जोड़ी जाएगी। इससे आंकड़ों की तुलना अंतरराष्ट्रीय श्रम आंकड़ों से बेहतर ढंग से हो पाएगी। इन बदलावों की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी। सीमित एवं अनियमित आधिकारिक आंकड़े समय रहते एवं साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने की राह में बड़ी बाधा के रूप में देखे जा रहे थे। भारत के श्रम बाजार में तेजी से बुनियादी बदलाव हो रहे हैं। तकनीकी बदलाव और महिला श्रमिकों की बढ़ी भागीदारी (हालांकि, यह अब भी काफी कम है) की इसमें बड़ी भूमिका रही है। अन्य बदलाव में नमूने का दायरा बढ़ाना भी शामिल है। ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में रोटेशनल पैनल स्कीम की घोषणा की गई है। प्रत्येक चयनित परिवार का चार लगातार महीनों में चार बार सर्वेक्षण होगा, जिससे रोजगार से जुड़े विश्वसनीय रुझान सामने आ पाएंगे। गणना विधि के स्तर पर ऐसे बदलाव सर्वेक्षण की व्यवस्था एवं क्रियान्वयन में महत्त्वपूर्ण सुधार को गति दे रहे हैं। तकनीकी बाधाएं दूर करने के लिए भी एनएसओ ने कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए जानकारी के संग्रह के प्राथमिक स्तर पर एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए यह कंप्यूटर की मदद से व्यक्तिगत साक्षात्कार और अन्य वेब-आधारित ऐप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहा है।

मासिक पीएलएफएस की दिशा में सरकार का कदम बढ़ाना स्वागत योग्य कदम जरूर है मगर आंकड़े अब भी भारत में रोजगार की स्थिति पर लगातार सामने आ रही दिक्कतों की तरफ इशारा कर रहे हैं। उदाहरण के लिए 15 वर्ष एवं इससे अधिक उम्र वाली श्रेणी में महिला श्रम बल भागीदारी दर शहरी क्षेत्र में मात्र 25.7 प्रतिशत थी। श्रम बाजार में महिलाओं की कम भागीदारी समग्र भागीदारी दर पर काफी प्रतिकूल असर डाल रही है। भारत के शहरी क्षेत्रों में यह दर 50.7 प्रतिशत थी, जिसका आशय है कि इन क्षेत्रों में श्रम बल का आधा हिस्सा रोजगार में नहीं था और न ही रोजगार की तलाश कर रहा था। 15 से 29 वर्ष उम्र की श्रेणी में भागीदारी दर तो 41.2 प्रतिशत के साथ और भी कम है। इस समाचार पत्र एवं अन्य माध्यमों में यह बात लगातार उठती रही है कि भारत की विशाल एवं तेजी से बढ़ते श्रम बल के लिए रोजगार के सार्थक अवसर तैयार करना सबसे बड़ी नीतिगत चुनौती है। रोजगार की स्थिति पर नियमित रूप से आने वाले आंकड़े अर्थव्यवस्था की स्थिति बेहतर जानकारी देंगे और रोजगार के हालात पर चर्चा के साथ ही नीतिगत उपायों को नई दिशा देने में भी मदद करेंगे।

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

अन्तिमा डॉटर श्यामवीर सिंह चौहान, अलवर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

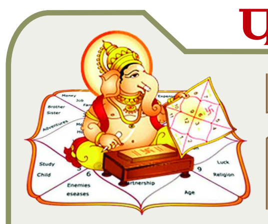

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 21/05/2025

सूर्योदय : 05:40 **सूर्यास्त :** 19:06 **चन्द्रोदय :** 01:23 **चन्द्रास्त :** 13:02 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना :** वैशाख **पूर्णिमांत :** ज्येष्ठ **सूर्य राशि :** वृषभ **चन्द्र राशि :** कुम्भ **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** नवमी, 27:20 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** ग्रीष्म **द्रिक-वैदिक अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : शतभिषा, 18:45 तक
योग : वैधृति, 24:22 तक
प्रथम करण : तैतिल, 16:08 तक
द्वितिय करण : गारा, 27:20 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:05 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:25 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:35 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:07 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:09 पी एम से
अमृत काल	11:56 ए एम से
निशिता मुहूर्त	11:57 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : राहु
कुंभ चक्रः तल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ -	05:27 - 07:10	उद्वेग -	07:09:08:26
अमृत -	07:10 -08:53	शुभ -	08:26:09:43
काल -	08:53-10:35	अमृत -	09:43:11:00
शुभ -	10:35 -12:18	चर -	11:00: 12:18
रोग -	12:18-02:01	रोग -	12:18:01:35
उद्वेग -	02:01 -03:43	काल -	01:35:02:52
चर -	03:43-05:26	लाभ -	02:52:04:10
लाभ -	05:26 -07:09	उद्वेग -	04:10:05:27

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज नवमी

आज कौन सा कार्य करें

नवमी रिक्ता तिथि है इसलिए इस दिन कोई भी नया, मांगलिक कार्य वर्जित है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

ज्येष्ठ, कृष्ण, नवमी, 2082 बुधवार, 21 मई - 27 मई, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

न्यायालयों में लंबित विभिन्न विभागीय प्रकरणों की समीक्षा बैठक

जनहित और विकास योजनाओं से जुड़े प्रकरण

न्यायालय में प्राथमिकता से की जाए प्रभावी पैरवी-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता के समग्र कल्याण के लिए समर्पण भाव से कार्य कर रही है। हम राज्य की चहुंमुखी प्रगति के लिए जनकल्याणकारी विकास योजनाओं का निर्बाध संचालन सुनिश्चित कर रहे हैं। इनमें विधिक कारणों से किसी प्रकार की रूकावट ना आए इसके लिए राज्य सरकार द्वारा न्यायालयों में लंबित मामलों में प्रभावी रूप से पक्ष रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन को समय पर राहत मिले और सरकार पर भरोसा और अधिक मजबूत हो इसके लिए सभी अधिकारीगण अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्ण निर्वहन करें। शर्मा ने कहा कि विधिक कार्यों में राज्य सरकार की ओर से संसाधनों की किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। शर्मा मुख्यमंत्री आवास पर न्यायालयों में लंबित विभिन्न विभागों से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन का हित ही हमारी प्रमुख प्राथमिकता है। इसलिए जनकल्याण से जुड़े प्रकरणों की न्यायालयों में प्राथमिकता से पैरवी की जाए। ऐसे प्रकरणों में सरकार की तरफ से प्रभावी ढंग से पक्ष रखने के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता स्तर पर वरिष्ठ अधिवक्ता नियुक्त किए जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में उच्चस्थ अदालतों में अपील की आवश्यकता हो उनमें राज्य सरकार की ओर से समय पर अपील की जाए।

पेंडेंसी कम करने के लिए समयबद्ध लक्ष्य तय कर की जाए कार्यवाही

शर्मा ने कहा कि न्यायालय में विचाराधीन ऐसे मामले जो एक से अधिक विभागों से संबंधित हैं उनके लिए संबंधित विभाग आपसी सहयोग एवं निरंतर समन्वय के साथ विधिक कार्यवाही करें। इसके लिए सक्षम स्तर पर नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए जो इन विभागों और राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिवक्ता के साथ आपसी समन्वय बनाकर कार्य को गति दें। श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय स्तर पर भी समन्वय हेतु अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोर्ट केसेज की पेंडेंसी कम करने के लिए समयबद्ध लक्ष्य तय कर कार्यवाही की जाए। विभाग पेंडिंग केसेज को प्राथमिकता के आधार पर श्रेणीवार विभाजित करें और और अधिक महत्वपूर्ण मामलों में त्वरित कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों में भी विभागीय अधिकारी संबंधित अधिवक्ताओं के साथ वीसी के माध्यम से नियमित बैठक कर चर्चा करें और उन्हें पूरा सहयोग करें।

लंबित प्रकरणों की प्रगति की नियमित हो मॉनिटरिंग

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में विभाग की तरफ से नियुक्त अधिकारीगण प्रकरणों की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करें। ये अधिकारी न्यायालय में पैरवी के लिए राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिवक्ता के साथ निरंतर संपर्क में रहते हुए उन्हें आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध करवाएं जिससे इन प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण हो सके। उन्होंने विभागों के शासन सचिवों को निर्देश दिए कि इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चाधिकारी स्वयं भी नियमित रूप से अधिवक्ताओं के साथ चर्चा कर प्रकरण से संबंधित विभिन्न पहलूओं से उन्हें अवगत कराएं।

भर्ती संबंधी प्रकरणों का विधिक परीक्षण कर शीघ्र करें निस्तारण

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना सरकार का लक्ष्य है। इसलिए न्यायालय में लंबित भर्ती संबंधी प्रकरणों का विधिवत परीक्षण करवाकर उनका शीघ्र निस्तारण करवाया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर भी नियम बनाते समय विस्तृत विधिक परामर्श लिया जाए जिससे भर्ती प्रक्रिया निर्बाध रूप से संपन्न हो सके। श्री शर्मा ने कहा कि विकास योजनाओं से संबंधित भूमि के लंबित प्रकरणों में अदालत से हुए स्थगन आदेशों को प्रभावी पैरवी के साथ निरस्त करवाया जाए जिससे इन प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाया जा सके। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद, विभिन्न अतिरिक्त महाधिवक्तागण एवं संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। सर्वोच्च न्यायालय में राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त महाधिवक्ता वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 से

कृषि वैज्ञानिक और अधिकारी देशभर में किसानों से संवाद कर उत्पादकता बढ़ाने के उपाय खोजेंगे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की जानकारी देने व तैयारियां सुनिश्चित करने के लिए वीसी का आयोजन किया। वीसी में केन्द्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि केन्द्रीय कृषि मंत्रालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.) और सभी राज्यों के कृषि विभागों के साथ मिलकर आगामी 29 मई से 12 जून तक पूरे देश में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' चलाएगा । इसके तहत देश के विभिन्न गांवों में किसानों को खरीफ फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के बारे में जानकारी दी जायेगी। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने 'एक राष्ट्र, एक कृषि और एक टीम' का नारा देते हुए कहा कि इस अभियान में किसान वैज्ञानिकों से चर्चा करेंगे। चर्चा में आए सुझाव और समस्याओं पर वैज्ञानिक शोध करेंगे और उसके अनुसार समस्याओं का समाधान किया जायेगा। इस अभियान का उद्देश्य खेती को अधिकतम लाभप्रद बनाना है। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने वीसी में सुझाव दिया कि 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' में किसानों को खरीफ फसलों की जानकारी के साथ-साथ उद्यानिकी गतिविधियों की भी जानकारी दी जाये जिससे किसानों की आय बढ़े और उन्हें अधिक विकल्प मिले। इस अभियान का मकसद खरीफ में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों, पशुपालन, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन आदि से सम्बन्धित आधुनिक तकनीकों के बारे में किसानों को जानकारी देना है। किसानों को केन्द्रीय कृषि मंत्रालय और राज्य के कृषि विभाग के अधिकारियों, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं और नीतियों की भी जानकारी दी जायेगी।

औद्योगिक निवेश को लेकर कार्यशाला आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की ओर से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट के संबंध में जयपुर में राज्य सरकार की औद्योगिक निवेश को लेकर हाल ही में जारी नीतियों एवं योजनाओं पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिला उद्योग केन्द्र, जयपुर एवं 22 गोदाम इंडस्ट्रियल एसोसिएशन की ओर से कार्यशाला में निवेश प्रोत्साहन और औद्योगिक विकास से जुड़ी 8 महत्वपूर्ण योजनाओं तथा नीतियों के संबंध में उद्यमियों तथा निवेशकों को जानकारी दी गई। जिला उद्योग केन्द्र की महाप्रबन्धक जयपुर शहर, शिल्पी पुरोहित ने बताया कि कार्यशाला में अतिरिक्त आयुक्त एस.एस.शाह ने विभागीय योजनाओं के विषय में अवगत कराया एवं उद्यमियों के सवालों का जवाब दिया तथा इन योजनाओं एवं नीतियों से उद्योग जगत पर पड़ने वाले अनुकूल प्रभाव की जानकारी दी। इस दौरान विषय विशेषज्ञों ने योजनाओं तथा नीतियों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त किये। कार्यशाला में प्रतिभागियों को उद्योग रजिस्ट्रेशन, जैम पोर्टल की जानकारी एवं उद्यम स्थापना में आवश्यक दस्तावेजों और एनओसी प्रमाण पत्र के विषय में जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में 8 महत्वपूर्ण योजनाओं एवं नीतियों जिनमें एक जिला एक उत्पाद, एमएसएमई पॉलिसी-2024, रिप्स- 2024, लॉजिस्टिक पॉलिसी-2024, डेटा सेंटर पॉलिसी-2025, एकीकृत क्लस्टर विकास योजना, राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2024, राजस्थान टैक्सटाइल एण्ड एपेरल-2025, पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। इस दौरान एक जिला एक उत्पाद एवं तद्गरूयोजना के तहत ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। कार्यशाला में जिला महाप्रबंधक ग्रामीण सुभाष शर्मा, एसोसिएशन के अध्यक्ष विमल किशोर सारड़ा और पदाधिकारियों के साथ ही औद्योगिक संघटनों से जुडे उद्यमी, छोटे व्यापारी, स्वयं सहायता समूह तथा हस्तशिल्पी तथा औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि, बैंकर्स और सीए एसोसिएशन के प्रतिनिधि मौजूद रहें।

विराज फाउंडेशन का सामूहिक शिव-पार्वती महारुद्राभिषेक 13 जुलाई को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में एक भव्य सामूहिक शिव-पार्वती पार्थिव महारुद्राभिषेक एवं महाआरती कार्यक्रम का आयोजन 13 जुलाई को किया जाएगा। यह आयोजन करणी वाटिका, मैरिज गार्डन, नीमड़ी रोड, मोरीजा में संपन्न होगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन बोर्ड परीक्षा सीताराम जी का मंदिर में किया गया, जिसमें श्री श्री 108 श्री गिरधारी जी महाराज के सान्निध्य में तथा फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी की अध्यक्षता में रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक में पंडित अरुण कुमार शर्मा एवं पंडित ईश्वर दास शर्मा ने कार्यक्रम की धार्मिक विधियों व आयोजनों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्थिव रूद्राभिषेक शिव-पार्वती की विशेष कृपा प्राप्ति का माध्यम है और इस आयोजन से जनकल्याण एवं शांति का मार्ग प्रशस्त होगा। बैठक में अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे जिनमें प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, डॉ. रामप्रकाश शर्मा, डॉ. पवन कुमार तिवाड़ी, अशोक रेवड़का, नारायण लाल शर्मा, डॉ. एम.के. अग्रवाल, डॉ. सीताराम कुमावत, ओम प्रकाश रीडर, राजेश महेश्वरी, नरेंद्र लालानी, मुकेश लालानी, महिपाल शर्मा, दीपक शर्मा, दयाशंकर सैन, एवं रवि कुमार प्रजापत प्रमुख हैं।

रावत पब्लिक स्कूल का विद्यार्थी गीता कांटेस्ट में अव्वल

जयपुर @ जागरूक जनता। रावत पब्लिक स्कूल प्रताप नगर के कक्षा 9 के विद्यार्थी रक्षित शर्मा ने गीता कांटेस्ट में जिला स्तर पर प्रथम एवं राज्यस्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा अक्षय पात्र स्थित मंदिर,गुप्त वृंदावन में आयोजित समारोह में रक्षित को सम्मानित किया गया। रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक एवं अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी के सचिव नरेंद्र सिंह रावत को भी इस अवसर पर शिक्षा मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। रावत को यह सम्मान उनके नैतिक मूल्यों के प्रचार प्रसार में दिए गए सक्रिय योगदान के लिए दिया गया। रावत पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर के विद्यार्थी समय समय पर गीता कांटेस्ट एवम अन्य गतिविधियों में भाग लेते हैं। रावत एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन बी एस रावत ने नरेंद्र सिंह रावत के प्रयासों की सराहना की एवं रक्षित की उपलब्धि पर उसे बधाई दी।

दी बार एसोसिशन ने बांधे परिन्डे

जयपुर @ जागरूक जनता। दी बार एसोसिएशन, जयपुर और ए.यू. स्मॉल फाइनेंस बैंक के सहयोग से जिला न्यायालय परिसए बनीपार्क में गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए जल व्यवस्था हेतु परिन्डे बाँधने का एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे करीब 100 परिंडे लगाए गए। साथ ही सभी अधिवक्ताओ ने यह प्रण लिया कि परिन्डो में समय समय पर पानी की व्यवस्था भी की जाएगी। कार्यक्रम में ए यू स्मॉल बैंक के सुधीर, दी बार एसोसिएशन, जयपुर के अध्यक्ष संदीप लूहाड़िया, महासचिव मनीष गगरानी, कार्यकारिणी सदस्य आशुतोष शर्मा, कृष्ण शर्मा जॉइंट सेकरेटरी, योजन शर्मा कोषाध्यक्ष और राजेंद्र शर्मा सहित सभी अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

1008 किलो ऋतु पुष्पों से हनुमानजी का श्रृंगार

जयपुर @ जागरूक जनता। नाहरी का नाका शास्त्री नगर स्थित श्री चमत्कारेश्वर वीर हनुमान मन्दिर प्रांगण में शनिवार को 1008 किलो ऋतु पुष्पों से हनुमान जी महाराज का भव्य श्रृंगार हूआ। मंदिर प्रवक्ता पुजारी धीरज कुमार पारीक ने बताया की गर्मी बढ़ने के साथ ही पवनपुत्र की पोशाक सहित भोग में विशेष परिवर्तन किया गया। इसी क्रम में महंत सुरेश पारीक के पावन सानिध्य में भगवान को गर्मी में शीतलता प्रदान करने के लिये फूल बंगले में विराजमान किया गया। पवनपुत्र को ठंडाई, शर्बत, सत्तू, लस्सी, आमरस, तरबूज सहित विभिन्न शीतल व्यंजनो का भोग लगाया गया।

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2025 सम्पन्न

10 दिन में 4.10 करोड़ से अधिक की हुई बिक्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र में आयोजित किया जा रहा दस दिवसीय राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2025 सम्पन्न हो गया। मेले में 4.10 करोड़ रुपये से अधिक के मसालों और अन्य उत्पादों की बिक्री हुई। यह अब तक की सर्वाधिक बिक्री है और विगत वर्ष से करीब एक करोड़ रुपये अधिक है। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने समापन समारोह में श्रेष्ठ स्टॉल्स को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर पुरस्कृत किया।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सहकारिता विभाग और कॉनफेड वर्ष 2003 से राष्ट्रीय स्तर के इस मसाला मेले की परिकल्पना को साकार कर रहे हैं। यह मेला सहकारी समितियों को व्यवसाय में वृद्धि का एक बेहतर प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। बड़ी संख्या में लोग वर्षों से इस मेले से जुड़ाव रखते हैं और यहां से वर्ष भर के मसाले की खरीद करते हैं। उन्होंने कहा कि मेले का आयोजन निरन्तर

बेहतर हो रहा है, लेकिन अभी भी काफी गुंजाइश है तथा मेले को और अधिक बेहतर बनाने के प्रयास जारी रखने होंगे। उन्होंने मेले के सफल आयोजन और मेले से जुड़ाव के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी। साथ ही, उन्होंने कहा कि अगले वर्ष आयोजित होने वाले मेले में और भी नवाचार किए जाएंगे।

राजपाल ने कहा कि राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप कॉनफेड के माध्यम से श्री अन्न के आउटलेट खोले जाएंगे। लेकिन इससे पूर्व मसाला मेले में लगभग 25 स्टॉल्स पर श्री अन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि श्री अन्न से लोगों का अधिक जुड़ाव हो, बेहतर स्वास्थ्य की दृष्टि से वे श्री अन्न के उत्पादों को अपनाएं और इनके उत्पादकों को भी उनके उत्पादों का उचित दाम मिले, इस दिशा में कार्य किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि राज्य के मसालों और अन्य उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि मेले के प्रति लोगों के रुझान को देखते हुए वर्ष में एक से अधिक बार इसके आयोजन पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि कृषकों को सहकारिता की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिले, इसके प्रयास करें। समापन समारोह में राजपाल ने सर्वाधिक बिक्री करने वाली संस्थाओं और ले आउट में अव्वल रहने वाली संस्थाओं को पुरस्कृत करने के साथ ही अन्य राज्यों की सहकारी संस्थाओं, राष्ट्रीय स्तर की शीर्ष सहकारी संस्थाओं और राज्य स्तर की शीर्ष सहकारी संस्थाओं को सम्मानित किया। वहीं, प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सभी खण्डों के अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेगा बंपर ड्रॉ भी निकाला गया।

बिक्री में ये संस्थाएं रहीं अव्वल

शीर्ष संस्थाओं में सर्वाधिक बिक्री की श्रेणी में कॉनफेड प्रथम स्थान पर, तिलम संघ द्वितीय स्थान पर और आरसीडीएफ (जयपुर डेयरी) तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार, जिला उपभोक्ता भंडारों में प्रथम स्थान पर कोटा, द्वितीय स्थान पर उदयपुर एवं तृतीय स्थान पर जोधपुर रहे। वहीं, क्रय विक्रय सहकारी समितियों में प्रथम स्थान पर मथानिया, द्वितीय स्थान पर भीनमाल और तृतीय स्थान पर नागौर रहे।

सिंदूर यात्रा में भारी संख्या में माताओं-बहनों ने की भागीदारी, भारत माता के जयकारों से गूंज उठा परकोटा

सिंदूर हमारी संस्कृति और सम्मान का प्रतीक, पीएम मोदी के नेतृत्व में सेना ने आतंकवादियों को सिखाया कड़ा सबक-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से बहनों का सिंदूर उजाड़ने वाले आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखाया। हमारे वीर जवानों ने पाकिस्तान को भारत की ताकत का अहसास भी कराया। उन्होंने कहा कि सिंदूर बहनों के माथे की शोभा होने के साथ ही हमारी संस्कृति और सम्मान का प्रतीक है। इस यात्रा के माध्यम से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की गाथा जन-जन तक पहुंचेगी।

सीएम शर्मा मंगलवार को जयपुर में मातृशक्ति की ओर से आयोजित 'सिंदूर यात्रा' में धर्मप%ी गीता शर्मा के साथ शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री ने कहा था कि आतंकवादियों को कल्पना से परे सजा दी जाएगी और इसके चंद ही दिनों बाद हमारी सेना और वैज्ञानिकों ने प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व में आतंक के अड्डों पर करारा प्रहार कर उन्हें तहस-नहस कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देशवासियों के संकल्प और जज्बे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत की अखण्ड एकता ने आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया है कि आततायियों को सबक सिखाने के लिए देशवासी पूरी तरह एकजुट है। इस दौरान शर्मा ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए बहादुर जवानों को धन्यवाद दिया तथा वीर शहीदों को नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश की जांबाज बेटियों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि कैसे हमारी सेना ने विश्व के सामने भारत की सैन्य ताकत और नारी शक्ति का परचम लहराया। इनके साहस और दृढ़ संकल्प ने साबित कर दिया कि भारत की बेटियां किसी से कम नहीं हैं। जब दुश्मन ने हमारी बहनों का सिंदूर छीनने की हरकत की तो देश की इन जांबाज बेटियों ने दुश्मन को कड़ा संदेश दिया।

मातृशक्ति की ओर से भारतीय सेना के सम्मान में आयोजित सिंदूर यात्रा में प्रदेश की महिलाओं के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की धर्मपत्नी गीता देवी ने भी पैदल यात्रा की। इस अवसर पर उन्होंने माताओं और बहनों के जोश और देशभक्ति की भावना की सराहना की। गीता देवी ने यात्रा में साथ चल रही महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसे उदाहरणों ने नारी शक्ति के शौर्य और देशभक्ति को न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के सामने गौरवपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी यात्राएं समाज में जागरूकता लाने के साथ-साथ महिलाओं की भूमिका को सम्मान और प्रेरणा प्रदान करती हैं। इस सिंदूर यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भागीदार बनीं और भारत माता के जयघोष से वातावरण गूंज उठा।

हवामहल से प्रारंभ हुई यात्रा बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार से होती हुई छोटी चौपड़ पर सम्पन्न हुई। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, जयपुर सांसद डॉ. मंजू शर्मा, जयपुर नगर निगम हैरिटेज मेयर कुसुम यादव, भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का गुर्जर, प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, अभियान सह-संयोजक अपूर्वा सिंह, भाजपा नेता रवि नैय्यर, चन्द्रमनोहर बटवाडा, मोहन लाल गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नारी शक्ति उपस्थित रहीं।

नशा मुक्त जयपुर अभियान के तहत अंतर्विभागीय जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में मंगलवार को वैशाली नगर स्थित एक निजी होटल में नशा मुक्त जयपुर अभियान के तहत अंतर्विभागीय जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि कार्यशाला में पुलिस अधीक्षक सत्यवीर सिंह ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सबके सामूहिक सहयोग से समाज को नशा मुक्त करने की बात कही।

कार्यशाला में जिला परिषद, जीसीटीसीएसएल, आईसीडीएस, सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग, नेहरू युवा केन्द्र, शिक्षा विभाग, आरएसआरसीटी विभाग, पुलिस उपायुक्त (उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम, ग्रामीण एवं ट्रैफिक), डिप्टी सीएमएचओ प्रथम डॉ. इन्द्रा गुप्ता, डिप्टी सीएमएचओ, द्वितीय डॉ. सुरेन्द्र कुमार गोयल, डीपीओ (एनटीसीपी) डॉ. योगेश पूनिया व अर्पित भारद्वाज, औषधि नियंत्रक, खाद्य सुरक्षा अधिकारी (जयपुर प्रथम व द्वितीय) उपस्थित रहे।

कार्यशाला में समाज मे पांव पसारती नशे की लत पर लगाम लगाने के संबंध में व्यापक विचार विमर्श हुआ। चिकित्सा विभाग समेत सभी विभागों के अधिकारियों ने विभिन्न प्रकार के नशों से युवा पीढ़ी को बचाने संबंधी मंथन किया। कार्यशाला में स्टेट कंसल्टेंट श्री नरेन्द्र सिंह ने बताया कि सन 2025 में तम्बाकू उपभोग में 30 प्रतिशत की कमी का लक्ष्य रखा गया है। राजस्थान में 1.36 करोड़ व्यक्ति तम्बाकू का सेवन करते हैं और इसमे 41 लाख लोगों की कमी लाए जाने का लक्ष्य है।

एसआरकेपीएस के सीईओ श्री राजन चौधरी ने कार्यशाला के उद्देश्य पर सारगर्भित प्रकाश डाला। इसी प्रकार डीसीओ श्रीमती सपना पारीक, डॉ. कशिश थापर (एसएमएस अस्पताल), कपिल शर्मा (एनसीबी), हरीश भूटानी (चेयरमैन, नवविकल्प संस्थान) ने अपने विचार व्यक्त किए। अंत मे सीएमएचओ प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने सभी आमंत्रित प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

रोजगार सहायता शिविर का आयोजन कल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा करियर मार्गदर्शन एवं रोजगार सहायता शिविर 22 मई को प्रातः 10 बजे से बनीपार्क स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में किया जाएगा। उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय की उपनिदेशक नवरेखा शिविर में निर्माण, लॉजिस्टिक, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मा, सिक्योरिटी, कॉल सेन्टर, बीमा आदि क्षेत्रों से संबंधित 30 निजी नियोजक मौके पर ही युवा आशार्थियों का साक्षात्कार के पश्चात् प्राथमिक चयन कर लाभान्वित करेंगें। उन्होंने बताया कि विभिन्न सरकारी विभाग शिविर में भाग लेकर अपनी विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान कर आशार्थियों को लाभांवित करेंगें। शिविर में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय द्वारा क्यूआर कोड जारी किया गया है जिसके जरिये युवा शिविर के लिए अपना पंजीयन करवा सकेंगे। उन्होंने बताया कि माध्यमिक, उ. मा. स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, आईटीआई पॉलिटेक्निक आदि सभी योग्यताधारी रोजगार के इच्छुक बेरोजगार युवाओं हेतु इस रोजगार सहायता शिविर में रिक्तियाँ है, अतः सभी योग्यताधारी आशार्थी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की मूल व छाया प्रति के साथ मेले का लाभ उठायें।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का भीलवाड़ा दौरा

भूमि आवंटन, डीपीआर, टेंडर प्रक्रिया सहित अन्य कार्य पूर्ण कर बजट घोषणाओं को जल्द से जल्द धरातल पर क्रियान्वित करें - डॉ. प्रेमचंद बैरवा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उप मुख्यमंत्री व भीलवाड़ा जिला प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मंगलवार को भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिले से सम्बंधित गत 2 राज्य बजट घोषणाओं और राज्य व केन्द्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा बजट घोषणाओं के तहत भूमि आवंटन से जुड़े शेष कार्यों, डीपीआर तैयार करने, टेंडर आदि समस्त प्रक्रिया जल्द पूर्ण करने के निर्देष दिए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बजट घोषणाओं के त्वरित क्रियान्वयन को लेकर गंभीर है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि बजट घोषणाओं से जुड़े समस्त कार्य जल्द पूर्ण हों ताकि जिलावासियों को समय पर इनका लाभ मिले और प्रोजेक्ट्स की लागत न बढ़े।

उपमुख्यमंत्री ने वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओ के क्रियान्वयन के सम्बंध में निर्देश दिए कि भूमि आवंटन से जुड़े प्रकरणों में त्वरित रूप से आवंटन की कार्यवाही करें एवं जिन घोषणाओं से सम्बंधित भूमि आवंटन कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उनकी डीपीआर, टेंडर आदि प्रक्रिया जल्द पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विभागीय अधिकारी क्षेत्र की घोषणाओं से जुड़े सम्बन्धित जनप्रतिनिधियों से समन्वय रखते हुए बजट घोषणाओं व विकास कार्यों को पूरा करें व इनके संबंध में सामने आ रही कमियों व समस्याओं को प्रशासन व सरकार के स्तर पर संज्ञान में लाएं जिससे कि इन कमियों को पूर्ण कर जल्द से जल्द बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की जा सके। उप मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री की मंशानुरूप प्रत्येक फ्लैगशिप व जनकल्याणकारी योजनाओं में सभी पात्रों को लाभान्वित करने के निर्देष दिए। बैठक में सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायकगण अशोक कोठारी व जब्बर सिंह, महापौर राकेश पाठक ने बजट घोषणाओं, व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं व विकास से जुड़े कार्यों की प्रगति के बारे में विचार, सुझाव व्यक्त किये। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने बताया कि नियमित साप्ताहिक बैठक में बजट घोषणाओ व फ्लैगशिप कार्यों की मॉनिटरिंग की जा रही है, ज्यादातर घोषणाओं का भूमि आवंटन कार्य पूरा किया जा चुका है।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेंद्र सिंह सहित अन्य जिला स्तरीयअधिकारीगण मौजूद रहे। बैठक से पूर्व सर्किट हाउस पहुंचने पर उपमुख्यमंत्री को पुलिस दल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया एवं सांसद, विधायक सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत सम्मान किया।

वन मंत्री ने जनसुनवाई कर परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जयपुर @ जागरूक जनता। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को अपने निवास स्थान पर जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में ग्राम पंचायत पुनर्गठन, सडक, विद्युत, पुलिस, स्थानांतरण की परिवेदनाएं प्रमुख रही जिस पर मंत्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को दूरभाष से परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये। परिवेदनाओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरते जाने पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जावेगी। उन्होंने फरियादियों से कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा आमजन के कल्याण हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित की गई है जिनका जागरूक रहकर लाभ उठाने के साथ-साथ अन्य लोगों को लाभ उठाने हेतु जागरूक करें।

बाबूलाल कांकरेलिया को 'ग्राम गदर' ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार

भानपुर कलां @ जागरूक जनता। भानपुर कलां निवासी स्वतंत्र पत्रकार बाबूलाल कांकरेलिया को वर्ष 2024 का 'ग्राम गदर' ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें 'सेहत पर भारी पैकेट बंद खाद्य पदार्थ एवं प्रोसेस्ड फूड' विषय पर प्रभावशाली और जनहितकारी लेखन के लिए दिया जा रहा है। निर्णायक मंडल ने आम सहमति से उनके लेखन को इस वर्ष की सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि के रूप में चयनित किया। बाबूलाल कांकरेलिया पुत्र रमाशंकर कांकरेलिया जयपुर जिले में जमवारामगढ तहसील के भानपुर कलां गांव के मूल निवासी हैं और पिछले कई वर्षों से स्वतंत्र पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित हिन्दी समाचार पत्रों में ग्रामीण स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर लगातार लेखन किया है।

राज्य मंत्री देवासी ने विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण

सिरोही @ जागरूक जनता। पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने मंगलवार को सिरोही जिले की सिरोही पंचायत समिति के माकरोडा, सिंदरथ, कृष्णगंज, वेलांगरी एवं सरतरा में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया एवं आमजन की परिवेदनाएं सुनी। आमजन को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री देवासी ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जिले में विकास कार्यो में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी जा रही है और नियमित रूप से नए विकास कार्यो की स्वीकृति, निर्माण कार्य आदि करवाए जा रहे हैं व आमजन की आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कार्यकाल में अब तक जिले की विभिन्न पंचायत समितियों में हुए विकास कार्य अपने आप में एक मिसाल है। उन्होंने कहा कि सभी पात्र विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें और अन्य को भी प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रत्येक गांव तक विकास कार्य करवाने तथा आमजन को लाभान्वित करने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जनसुनवाई में ग्रामीणों ने खराब आरओ सही करवाने, सफाई व्यवस्था सुचारू करवाने, उप स्वास्थ्य केन्द्र पर स्टाफ की व्यवस्था करवाने, सीसी रोड बनाने, रोड लाइट लगाने, स्वीकृत नाली बनवाने, पट्टा दिलवाने, नल व विद्युत कनेक्शन दिलवाने, सीमाज्ञान करवाने सहित विभिन्न विभाग से संबंधित विभिन्न परिवेदनाएं राज्यमंत्री देवासी के समक्ष प्रस्तुत की जिस पर राज्य मंत्री ने त्वरित कार्यवाही करते हुए उपस्थित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये।

जागरूक खबरें

खरीफ ऋण वितरण शुरू

रावतसर @ जागरूक जनता। ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड शाखा रावतसर द्वारा मंगलवार को खरीफ ऋण का कार्य शुरू किया गया। व्यवस्थापक राऊराम सारण ने बताया कि पूर्व सरपंच जैसाराम सारण के मुख्य आतिथ्य में ऋण वितरण शुरू किया गया। इस अवसर पर पूर्व विकास अधिकारी मानाराम सारण, सहायक व्यवस्थापक बालाराम सहित ग्राम सेवा सहकारी समिति के सदस्य मौजूद रहे।

प्रवेश के लिये योग्य विद्यार्थियो के आवेदन आमंत्रित 24 मई तक

जैसलमेर @ जागरूक जनता। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय वायुसेना स्थल जैसलमेर में सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 11 में कुछ रिक्तियों के लिए प्रवेश के लिये योग्य विद्यार्थियो के आवेदन आमंत्रित जाते है। प्राचार्य, विशन सिंह राठौड़ ने बताया कि इस सम्बन्ध में प्रवेश के लिए पंजीकरण फॉर्म वेबसाइट से डाउनलोड कर पूर्ण रूप से भरा हुआ फॉर्म (आप्शन फॉर्म एवं रजिस्ट्रेशन फॉर्म) आवश्यक दतावेज सहित व्यक्तिगत रूप से वायुसेना स्थल जैसलमेर के मुख्य द्वार पर दिनांक 24 मई तक प्रातः 9 से 12 बजे तक जमा करवाएंजा सकते है।

जन औषधि केंद्र में युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के आवेदन शुरू

जैसलमेर @ जागरूक जनता। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा माय भारत पोर्टल के अंतर्गत जन औषधि केंद्र के सहयोग से अनुभवात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 1 जून से 30 जून से मध्य किया जाना प्रस्तावित हैं। जिला युवा अधिकारी पंकज माड़ेचा ने बताया कि माय भारत पोर्टल mybharat-gov-in मे जाकर अनुभवात्मक प्रशिक्षण पर क्लिक करके युवा अपने आप को इस प्रशिक्षण मे पंजीकृत कर सकते हैं। इस 15 दिवसीय कार्यर म मे भंडारण प्रबंधन, सामान्य रिकॉर्ड रख-रखाव, ग्राहक स्वास्थ्य एवं सेवा इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

हाथी भाटा में बनेगा 132 केवी गैस आधारित विद्युत सब स्टेशन

अजमेर शहर के केन्द्र में पहला बड़ा जीएसएस, हजारों घरों, होटलों, अस्पताल, कलक्ट्रेट को होगा फायदा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अजमेर। शहर की बिजली व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार के लिए अच्छी खबर है। हाथी भाटा स्थित पावर हाउस में गैस आधारित 132 केवी जीएसएस बनेगा। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अजमेर की बिजली व्यवस्था को सुधारने के लिए यह घोषणा की थी। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी के प्रयासों से जीएसएस के लिए 147 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी हो गई है। शीघ्र ही जीएसएस निर्माण का काम शुरू होगा। राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड ने हाथी भाटा में 132 केवी गैस इमुलेटैड पावर हाउस के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की है। इसके तहत 147 करोड़ रूपये की लागत से जीएसएस से

संबधित विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे। अजमेर शहर में वर्तमान बिजली व्यवस्था शहर के आसपास स्थित जीएसएस पर निर्भर है। ऐसे में लम्बे समय से यह आवश्यक्ता महसूस की जा रही थी कि शहर के बीच में 132 केवी जीएसएस स्थापित किया जाए। शहर के मध्य भाग में जीएसएस के लिए आवश्यक जगह उपलब्ध नहीं होने पर यह प्रस्ताव तैयार किया गया कि गैस आधारित जीएसएस स्थापित किया जाए जो कम जगह घेरेगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बजट घोषणा में यह जीएसएस स्वीकृत कराने के लिए आग्रह किया। देवनानी के आग्रह पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बजट घोषणा में अजमेर को गैस आधारित जीएसएस की सौगात दी। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी बजट घोषणा के साथ ही इसकी वित्तीय स्वीकृति जारी करवाने के लिए प्रयासरत थे। राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम ने इस संबंध में आदेश जारी किए है।

अजमेर शहर को होगा फायदा

वर्तमान में अजमेर शहर की बिजली व्यवस्था शहर के आसपास स्थित विभिन्न जीएसएस पर आधारित है। ऐसे में फाल्ट आदि आने पर उसे सही करने एवं मॉनिटरिंग में परेशानी आती है। हाथी भाटा में गैस आधारित जीएसएस बनने से शहर के बीचों बीच बिजली का केन्द्र बनेगा। शहर की अधिकांश बिजली आपूर्ति, नया कलक्ट्रेट भवन, नया अस्पताल भवन एवं अन्य निर्माणों को विद्युत उपलब्ध शहर के मध्य से ही सुनिश्चित हो जाएगी। यह आकार में कम होने से जगह भी कम घेरेगा। नया जीएसएस स्थापित होने से शहर में बिजली की गुणवत्ता भी सुधरेगी।

एनएसएस टीम ने जल संरक्षण के लिए जगाई चेतना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। जल ही जीवन है, और इसी जीवन को बचाने की अनोखी पहल की गई आज कसिन्द्रा गाँव में, जहाँ माधव विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को जल के महत्व और उसके संरक्षण के उपायों के प्रति जागरूक करना था। गाँव के सैकड़ों ग्रामीणों ने इस आयोजन में भाग लेकर जल संरक्षण की आवश्यकता को समझा और इसे अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के निदेशक डॉ. देवेंद्र मुझाल्दा ने किया। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को जल संकट की भयावहता और भविष्य में संभावित चुनौतियों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. मुझाल्दा ने कहा कि यदि आज हम जल नहीं बचाएंगे, तो कल जल हमें नहीं बचाएगा।

इसके साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम की प्रभारी संगीता और इकाई द्वितीय की प्रभारी डॉ. रेणुका ने भी जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन और घरेलू स्तर पर जल बचत के तरीकों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्थानीय उदाहरणों के माध्यम से ग्रामीणों को सरल और कारगर उपाय समझाए। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की जागरूकता से गाँव में जल संकट को दूर करने में मदद मिलेगी। अंत में सभी ने सामूहिक रूप से जल संरक्षण की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने जल बचाओ पर नारे लगाए, पोस्टर प्रदर्शनी की और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल के महत्व को रेखांकित किया।

भीलवाड़ा में बनेगा पहला देवनारायण कॉरिडोर, 48.73 करोड़ मंजूर

केंद्र सरकार ने किए मालासेरी डूंगरी सहित 5 तीर्थस्थलों के लिए 48.73 करोड़ स्वीकृत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भीलवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले आसींद के मालासेरी आए थे। पीएम भगवान देवनारायण की 1111वीं दिव्य जयंती पर शामिल हुए थे। उस वक्त धार्मिक टूरिस्ट सर्किट को लेकर चर्चा थी। जिसके बाद केंद्र सरकार ने अब कॉरिडोर निर्माण की घोषणा की है। केंद्र सरकार 'प्रसाद योजना' के तहत विकास करेगी। मालासेरी डूंगरी सहित 5 तीर्थस्थलों के लिए 48.73 करोड़ स्वीकृत किए गए है। इसमें मालासेरी डूंगरी, साडूमाता की बावड़ी, सवाईभोज मंदिर, गढ़ गोठा और बरनागर का विकास होगा। भीलवाड़ा कलेक्टर ने पांचों जगह 11 हैक्टेयर जमीन चिह्नित कर भिजवाया है। सभा स्थल, सभा मंच, 5 प्रवेश द्वार, पार्किंग, भोजनशाला आदि का निर्माण होगा।

कॉरिडोर से जुड़ेंगे 5 तीर्थस्थल

उपखंड मुख्यालय से 9 किलोमीटर दूर मालासेरी डूंगरी भगवान देवनारायण की जन्मस्थली है। यहां से 8 किमी दूर गुर्जर समाज का अंतरराष्ट्रीय तीर्थ स्थल सवाई भोज है। सवाईभोज से 10 किमी दूर बरनागर है। बरनागर से भगवान देवनारायण बैकुंठ धाम गए थे। वहीं, 12 किमी दूर गढ़ गोठा है। मालासेरी डूंगरी से 7 किमी दूर साडू माता की बावड़ी है।

अक्षत ने कॉमर्स 12वीं में 98% अंक प्राप्त कर वरीयता सूची में बनाया स्थान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। वंडर सीमेंट लिमिटेड आर. के. नगर, निम्बाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़ के पाटनी पब्लिक

स्कूल में सी.बी.एस.ई. 12 वीं वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय तथा 10 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी होने के साथ ही विद्यालय परिवार झूम उठा एवं पुरे विद्यालय में खुशी की लहर छा गई। विद्यालय के होनहार छात्र अक्षत जैन ने सी.बी.एस.ई. 12 वीं वाणिज्य संकाय की बोर्ड परीक्षा में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉपर बनने के साथ हि राज्य स्तर पर भी विद्यालय का नाम रोशन किया हैं। इस अवसर पर वंडर सीमेंट यूनिट हेड एवं विद्यालय प्रबंधक नितिन जैन ने छात्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा की पाटनी पब्लिक स्कूल के सभी मेधावी विद्यार्थियों ने सी.बी.एस.ई. 12 वीं तथा 10 वीं बोर्ड परीक्षाओं में शत प्रतिशत परिणाम देकर प्रथम स्थान अर्जित किया तथा विद्यालय का नाम क्षेत्र में ही नहीं अपितु पूरे जिले एवं राज्य स्तर पर रोशन कर हमें गौरवान्वित किया हैं। विद्यार्थियों ने इस वर्ष भी श्रेष्ठ परिणाम देते हुए पाटनी पब्लिक स्कूल को क्षेत्र का श्रेष्ठ विद्यालय साबित किया हैं। जैन ने समस्त शिक्षकों तथा परिजनों को भी शुभकामनाएँ दी एवं उक्त परिणाम विद्यालय परिवार को समर्पित किया।

उल्लेखनीय अक्षत जैन ने वर्ष 2023 की सी.बी.एस.ई. 10 वीं बोर्ड परीक्षा में भी 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम तथा राज्य स्तर पर भी अपना परचम लहराया था। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गिरिश बाबू एम.एम. ने जानकारी दी कि विद्यालय की उत्कृष्ट शिक्षण प्रणाली के परिणाम स्वरुप इस वर्ष 12 वीं वाणिज्य संकाय की बोर्ड परीक्षा में पाटनी पब्लिक स्कूल के अक्षत जैन ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान तथा ऋषिका विरानी ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा जोयल ढेलावत ने 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान एवं विज्ञान संकाय में हरीनंद के एम ने 86.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, सौम्या सिंघवी ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा महक लोहार ने 81.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया हैं। इसी क्रम में सी.बी.एस.ई. 10 वीं बोर्ड के परिणामों में पाटनी पब्लिक स्कूल स्तर पर इषित जैन ने सर्वाधिक 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, सिद्धी जैन ने 94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा धीर सेठीया ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। पाटनी पब्लिक स्कूल के होनहार विद्यार्थी निरन्तर जिला स्तर पर वरीयता सूची के प्रथम पायदान पर स्थान प्राप्त करते आये हैं। पाटनी पब्लिक स्कूल में 10 वीं एवं 12 वीं के साथ-साथ विद्यालय की सभी कक्षाएं बेस्ट फेकल्टी के साथ संचालित हैं। विद्यालय टीम हर वर्ष उत्कृष्ट प्रतिशत परिणामों के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु निरन्तर अग्रसर हैं।

माधव यूनिवर्सिटी के डॉ गीतम सिंह व डॉ खुशबू शर्मा को मिला पेटेंट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव यूनिवर्सिटी के कॉलेज आफ एग्रीकल्चर में प्रोफेसर पद पर कार्य कर रहे डॉ गीतम सिंह तथा डॉ खुशबू शर्मा को न्यूट्रिएंट डिलीवरी सिस्टम इन हाइड्रोपोनिक्स विषय पर पेटेंट मिला है । इस न्यूट्रिएंट डिलीवरी सिस्टम में हाइड्रोपोनिक ग्रीन फोडर प्रोडक्शन फार्मिंग को किस तरह से पोषक तत्वों का पहुंचाया जाता है तथा कितनी मात्रा में पहुंचना है ऐसी पद्धति विकसित की गई है जिससे की फसल को सही मात्रा में और निश्चित समय पर पोषक तत्त्व पहुंच सके तथा पैदावार

को बढ़ाया जा सके। माधव यूनिवर्सिटी को मिले इस पेटेंट पर विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ राजकुमार ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा है कि हमारे विश्वविद्यालय के प्रोफेसर इन्नोवेटिव रिसर्च कर रहे हैं यह हम सबके लिए खुशी की बात है। इस अवसर पर कुलपति हिम्मतसिंह देवल ने कहा कि इस तरह के शोध कार्य और भी होते रहने चाहिए।

विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट डॉ राजीव माथुर ने कहा कि हम अपने विश्वविद्यालय में विश्व स्तरीय शोध पर काम कर रहे हैं इसके भविष्य में और भी अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ भावेश कुमावत ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा है कि हमारे विश्वविद्यालय में एक से बढ़कर एक प्रोफेसर अंतरराष्ट्रीय विषयों पर कार्य कर रहे हैं जिससे कि देश में गरीबी उन्मूलन तथा मानव स्वास्थ्य की दिशा में अधिक से अधिक फसल उत्पादन कर के समस्याओं का समाधान किया जा सके। इस अवसर पर कॉलेज का एग्रीकल्चर के अधिष्ठाता डॉ वी आर पटेल ने कहा कि कृषि पूरे विश्व की जरूरत है तथा कृषि में हाइड्रोपोनिक ग्रीन फोडर पर पेटेंट मिलना हमारे लिए बड़े गर्व की बात है। इस अवसर पर सभी शिक्षक गण उपस्थित रहे।

एमपी बिरला सीमेंट ने उत्तर प्रदेश में पहले एक्सपीरियंस सेंटर का भव्य उद्घाटन किया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। देश की अग्रणी सीमेंट निर्माण कंपनी एमपी बिरला सीमेंट ने तरबगंज, जिला गोंडा, उत्तर प्रदेश, में अपने अत्याधुनिक एक्सपीरियंस सेंटर का भव्य उद्घाटन किया। इस केंद्र का उद्देश्य ग्राहकों, आर्किटेक्ट्स, बिल्डरों और इंजीनियरों को सीमेंट और निर्माण से जुड़ी आधुनिक तकनीकों, गुणवत्ता और टिकाऊ निर्माण करने के लिए तकनीकी सहायता देना है। एमपी बिरला सीमेंट ने इस पहल के माध्यम से निर्माण उद्योग में पारदर्शिता, गुणवत्ता और नवाचार को बढ़ावा देने का संकल्प लिया है। कंपनी के सीएमओ कालीदास प्रमाणिक ने कहा कि यह एक्सपीरियंस सेंटर हमारे ग्राहकों को केवल उत्पाद ही नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण समाधान और ज्ञान प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर कालीदास प्रमाणिक, प्रेसिडेंट संजय भंडारी, रीजनल हेड अविनाश सिंह, तकनीकी सेवा प्रमुख अशिवानी प्रताप सिंह, ब्रांच हेड प्रकाश श्रीवास्तव, सेल्स प्रमोटर्स, डीलर, रिटेलर, इंजीनियर, ठेकेदार व उपभोक्ता उपस्थिति रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान केंद्र के प्रमुख जिसमें भवन निर्माण का लेआउट, लागत, प्रोडक्ट डिस्प्ले, उत्पाद डेमोंस्ट्रेशन, निर्माण सामग्री की गुडवत्ता और वर्चुअल बिल्डिंग मॉडल का प्रदर्शन किया गया।

भोपालगढ़ जाट समाज की वीर छात्रावास में हुई बैठक

रावतसर @ जागरूक जनता। बैठक में जाट समाज तेजा हॉस्टल कार्यकारी अध्यक्ष चुने गए युवा सुगनाराम गोदारा, बैठक में पुर्व सरपंच बबलू पारासरीया, खारीया पुर्व सरपंच उगराराम रलिया, भाजपा नेता ओमप्रकाश चौटिया, रामविलास जलवाणीया, छात्र नेता रामचंद्र, आस पास गांवों के सैकड़ों लोगों ने लिया, समाज में नशामुक्ति का लिया संकल्प।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

पिंडवाड़ा @ जागरूक जनता। पिंडवाड़ा समीपवर्ती अल्ट्राटेक सीमेंट के इकाई प्रमुख सी.पी.एस चौहान के निर्देशन में अल्ट्राटेक कम्युनिटी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा आस पास के क्षेत्रों में अनेको जनकल्याणकारी कार्य किये किए जा रहे है इसी के तहत ग्राम पंचायत आमली में स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे 83 बच्चो, महिलाओ एवं पुरुषो द्वारा, बुखार दादखाज खुजली, आखों की परेशानी और अन्य बीमारियों से ग्रस्त दर्दियो की स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दवाईया प्रदान की गई। ग्रामवासियो को गर्मी के प्रकोप से होने वाली बीमारियों से स्वयं और अपने परिवारों को भी कैसे स्वस्थ्य रख सकते हे इस विषय पर डॉक्टर प्रियंका आचार्य द्वारा ग्राम वासियो को जागरूक किया गया। अल्ट्राटेक कम्युनिटी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा किये गए स्वास्थ्य जांच शिविर में सरपंच वीराराम का सराहनीय सहयोग रहा, ग्राम वासियों ने अल्ट्राटेक नाथद्वारा सीमेंट लिमिटेड का आभार व्यक्त किया एव स्वास्थ्य सेवाएं ग्राम में निरंतर मिलती रहे ऐसी आशा व्यक्त की।

प्रदेश के 36 कन्या महाविद्यालयों में शुरू होगी लाइब्रेरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

श्रीगंगानगर। प्रदेश के युवाओं विशेषकर छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अब बेहतर अध्ययन सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेश के 36 राजकीय कन्या महाविद्यालयों में लाइब्रेरी और वाचनालय की शुरुआत की जा रही है। प्रथम चरण श्रीगंगानगर जिले सहित अन्य जिलों में शुरू किया जा रहा है, जिसमें कन्या महाविद्यालयों में अध्ययन के लिए बेटियों के लिए यह सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। द्वितीय चरण में यह सुविधा सह-शिक्षा महाविद्यालयों में भी लागू की जाएगी।

विशेष रीडिंग रूम स्थापित किया जाएगा

श्रीगंगानगर में चौधरी बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय के एक हॉल में अध्ययन के लिए विशेष रीडिंग रूम स्थापित किया जा रहा है। इस रीडिंग रूम में अध्ययन करने वाली छात्राओं को आरामदायक फर्नीचर, उचित लाइटिंग,स्वच्छता और वायु सहित व्यवस्था की जाएगी। महाविद्यालय प्रशासन इस सुविधा के संचालन के लिए आवश्यक संसाधनों जैसे सुरक्षा कर्मियों, पुस्तकालय कर्मचारी और तकनीकी उपकरणों की व्यवस्था भी करेगी।

अध्ययन सामग्री व संदर्भ पुस्तकें मिलेंगी

पुस्तकालय में विभिन्न प्रकार की पत्रिकाएं, हिंदी एवं अंग्रेजी की पुस्तकें, मैग्जीनें, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित संदर्भ पुस्तकें और अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय में कंप्यूटर, इंटरनेट और अन्य आवश्यक तकनीकी सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। छात्राओं को सदस्य बनाकर लाइब्रेरी कार्ड जारी किए जाएंगे,जो कि गैर-हस्तांतरणीय होंगे। बाहरी छात्राओं को 1000 रुपए जमा अमानत राशि जमा करवाने होगी जो लाइब्रेरी छोडने् पर लौटा दी जाएगी।

परीक्षाओं की तैयारी का अच्छा अवसर

पुस्तकालय संचालन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक पूर्णतया निःशुल्क होगा। इससे छात्राओं को अध्ययन के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का माहौल मिलेगा, जिससे उनकी सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी। लाइब्रेरी की सुविधा शुरू की जा रही है

राजेंद्र गुलिया बने श्री सांवलिया सेठ भक्त मंडल अध्यक्ष

केदार छिपा को बाबा अमरनाथ कावड़िया संघ अध्यक्ष नियुक्त किया गया

चौमूं @ जागरूक जनता। बाबा अमरनाथ कावडिया संघ के तत्वावधान में आयोजित 11वीं कावड़ यात्रा दिनांक 27- 28 जुलाई के लिए रविवार को रेनवाल रोड स्थित वीर तेजाजी महाराज के मंदिर में मीटिंग का आयोजन किया गया 7 मीटिंग में सर्वप्रथम अध्यक्ष रमेश देवन्दा, मंत्री अशोक पारीक ने वर्ष 2024-25 का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमें वर्ष भर के कार्यक्रमों की जानकारी साझा की गई उसके पश्चात अटल मेठी, कुमार गौरव सैनी ने कावड़ यात्रा 2024 का लेखा-जोखा साझा किया व कावड़ यात्रा में आय-व्यय की जानकारी दी, पूर्व की जानकारी के पश्चात उपस्थित सैकड़ो कार्यकर्ताओं द्वारा सर्वसम्मति से श्री सांवलिया सेठ भक्त मंडल का गठन किया गया जिसमें राजेंद्र गुलिया को अध्यक्ष व आशीष तांबी को मंत्री बनाया गया, उपस्थित सभी समाज बंधुओ में करतल ध्वनि से स्वागत किया, मीटिंग में बाबा अमरनाथ कावड़िया संघ की 11वीं कावड़ यात्रा वर्ष 2025 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें

अध्यक्ष केदार छीपा, उपाध्यक्ष ओम प्रकाश कुमावत, रजत अग्रवाल महामंत्री पूरण सैनी कोषाध्यक्ष CA ताराचंद कुमावत, प्रतीक शर्मा, मनीष टेलर, आशीष तांबी व्यवस्थापक अशोक पारीक, प्रवीण सैनी, सिद्धांत जैन, रिंकू सैनी नगर मंदिर प्रमुख अविनाश सैनी, यात्रा प्रारंभ स्थल प्रमुख राधावल्लभ रावत, वाहन व्यवस्था प्रमुख तुषार सैनी, भोजन सामान आपूर्ति प्रमुख शंकर जिंदल, भोजन भंडार प्रमुख कमलेश सैनी, भोजन वितरण प्रमुख अशोक कुमावत, हैप्पी पारीक, मंदिर श्री मालेश्वरनाथ सजावट प्रमुख सागर सैनी, यात्रा समापन स्थल प्रमुख कालूराम गोदारा, छायांकन प्रमुख निखिल तिवारी, प्रचार प्रसार प्रमुख दीपक तंवर, आतिशबाजी प्रमुख छोटू जी अग्रवाल तथा स्वस्ति वाचन परम सानिध्य पंडित श्री हेमंत भातरा का रहेगा।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

भारतीय वायु सेना ने नया वीडियो जारी करते हुए लड़ाकू विमानों, जैसे राफेल, सुखोई एसयू-30 एमकेआई, और तेजस, के साथ-साथ एयर डिफेंस सिस्टम की ताकत को दर्शाया

इंडियन एयर फोर्स ने दिखाई ताकत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना ने एक बार फिर ताकत और शौर्य का प्रदर्शन करते हुए नया वीडियो जारी किया है। वीडियो में वायु सेना के जवानों ने आसमान में पराक्रम और अत्याधुनिक तकनीक का शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे दुश्मनों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि भारत से पंगा लेना भारी पड़ सकता है। यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम आतंकी हमले के बाद तनाव की स्थिति बनी हुई है। वीडियो में वायु सेना के लड़ाकू विमानों, जैसे राफेल, सुखोई एसयू-30एमकेआई, और तेजस, के साथ-साथ एयर डिफेंस सिस्टम की ताकत को दर्शाया है। इसमें कैसे वायु सेना दुश्मन के इलाके में घुसकर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद और मिसाइलों से देश की रक्षा कर सकती है।

दुश्मनों को करारा जवाब

वीडियो में हाल ही में शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की झलक भी दिखाई गई है, जिसमें भारतीय वायु सेना ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की है। वायु सेना ने न केवल दुश्मन के हमलों को नाकाम किया, बल्कि उनके ठिकानों पर सटीक हमले कर उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस ऑपरेशन की सराहना करते हुए कहा, "हमारी एयर फोर्स एक ऐसी 'स्काइफोर्स' है, जिसने अपने शौर्य और पराक्रम से आसमान की नई ऊंचाइयों को छू लिया है।"

एयर डिफेंस सिस्टम की ताकत का प्रदर्शन

वीडियो में भारत के उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम को भी प्रमुखता दी गई है, जो दुश्मन के ड्रोन्स और मिसाइलों को निष्क्रिय करने में सक्षम है। एयर मार्शल एके भारती ने कहा, "पाक के मानवरहित हवाई प्रणालियों ने हमारे ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी को निष्क्रिय कर दिया। जवाब में हमने उनके एयरबेसों को नुकसान पहुंचाया।"

वायु सेना की ताकत और आधुनिकीकरण

भारतीय वायु सेना दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली वायु सेना है, जिसमें 1,35,000 कर्मी और 1,500 से अधिक एयरक्राफ्ट शामिल हैं। राफेल, S-400, और नई मिसाइलों व ड्रोन्स के शामिल होने से वायु सेना की ताकत कई गुना बढ़ गई है। हाल ही में DRDO द्वारा विकसित फ्यूचरिस्टिक अनमैन्ड फाइटर एयरक्राफ्ट (FUFA) प्रोजेक्ट भी वायु सेना की क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

अब तुरंत पास हुए ग्रेजुएट उम्मीदवार नहीं दे सकेंगे ज्यूडिशियल सर्विस एग्जाम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। अब लॉ ग्रेजुएशन पास हुए नए उम्मीदवार न्यायिक सेवा परीक्षा यानी ज्यूडिशियल सर्विस एग्जाम में शामिल नहीं हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले के दौरान कहा कि ज्यूडिशियल सर्विस में आने के लिए उम्मीदवार के पास वकील के रूप में अनुभव होना जरूरी है। यह फैसला सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस विनोट चंद्रन की बेंच ने दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

बार एंड बेंच के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) परीक्षा में बैठने के लिए 3 साल की न्यूनतमें प्रैक्टिस की आवश्यकता को बहाल किया जाता है। सभी राज्य सरकारें नियमों में संशोधन करके यह सुनिश्चित करें कि सिविल जज (जूनियर डिवीजन) परीक्षा में बैठने वाले के पास कम से कम 3 साल वकालत की प्रैक्टिस हो। इसे बार में 10 साल के अनुभव रखने वाले वकील द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए। न्यायाधीशों के लिए लॉ क्लर्क के रूप में एक्सपीरिएंस को भी इस अनुभव में गिना जाएगा। उन्हें (उम्मीदवारों को) कोर्ट में अध्यक्षता करने से पहले एक साल की ट्रेनिंग लेनी होगी।

क्या अभी चल रही भर्तियों पर भी लागू होंगे ये नियम?

आगे कोर्ट ने साफ किया कि अभी ये आवश्यकताएं चल रही ज्यूडिशियल भर्ती पर लागू नहीं होंगी, बल्कि केवल भावी रूप से लागू होंगी। कोर्ट ने कहा कि जहां हाईकोर्ट के सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है, वहां, न्यूनतम प्रैक्टिस की आवश्यकता लागू नहीं होगी और यह तभी लागू होगी जब अगली भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी।

क्यों लिया यह फैसला?

कोर्ट ने इस फैसले के पीछे तर्क दिया नए लॉ ग्रेजुएट्स की जज के रूप में कई सारी समस्याएं सामने आईं, अनुभवहीन लॉ ग्रेजुएट न्यायिक अधिकारियों को सौंपे गए महत्वपूर्ण कार्यों को संभालने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित नहीं हो सकते।

इस कारण सुप्रीम कोर्ट ने रखी शर्त

यह मामला मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा न्यायिक सेवा नियमों में 2002 में संशोधन करके, सिविल जज बनने के इच्छुक लोगों के लिए अनिवार्य 3 वर्ष की कानूनी प्रैक्टिस की आवश्यकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के दायर होने के बाद आया। इस नियम को बाद में विभिन्न राज्यों द्वारा भी अपनाया गया, जिसके तहत प्रवेश स्तर के सिविल जज (जूनियर डिवीजन) पदों के लिए न्यायिक सेवा परीक्षा में बैठने से पहले उम्मीदवारों के पास वकील के रूप में कम से कम 3 वर्ष का अनुभव होना आवश्यक था।

Beena Shiksha Samiti Sec. School
Knowledge is Power
RBSE Pattern Affiliated From Raj. Govt.
English / Hindi Medium Nursery to Xth
Admission OPEN
NO ADMISSION FEE NO TRANSPORT FEE

SALIENT FEATURES
- WORLD-CLASS INFRASTRUCTURE.
- LEARNING ENVIRONMENT.
- EXPERIENCED FACULTY.
- PARENT-TEACHER PARTNERSHIP.
- SPACIOUS PLAYGROUND.
- 100% SUPPORT AND SECURITY OF THE CHILD.
- SPLASH POOL FOR KIDS.
- AIR CONDITIONED CLASS ROOMS.
- FLEET LUXURY BUSES.

Age 18 Months & Above

Maruti Colony, Sheopur Road, Sanganer, Jaipur
Call us at : +91 9636768752 7790812485

Sohna Road, Gurugram, Delhi NCR

GD GOENKA UNIVERSITY
FROM FOUNDATION TO FLIGHT

Certified for E-Learning Excellence & Advanced E-LEAD certificate
QS I-GAUGE certified university for Advanced E-Learning Excellence on Academic Digitisation (Adv E-LEAD) by seamlessly integrating educational endeavors with digital practices.
GD Goenka University is a QS I-GAUGE Gold Rated University
GD Goenka University is a QS I-GAUGE Diamond Rated University in Teaching and Learning
QS I-GAUGE Institution of Happiness 2024
GU Global University Rankings: World's Top 1000-1200 Rank Band for Diversity, Equity, & Inclusion (DEI) and Strong Institutions (SI) Rankings 2024
Times Higher Education Impact Ranking 2024
NIRF Ranking 2024 for Pharmacy Top 100-125
RANKED NO 1 PROMISING LAW SCHOOL IN INDIA by CSR Law Schools Survey 2024 — competition success review
Forbes: FORBES INDIA MAGAZINE GD GOENKA UNIVERSITY GREAT INDIAN INSTITUTES

Your 12th Score Could be Your Ticket to a Full Scholarship! Deadline to Apply: 31st May, 2025
Residential / Day Boarding | UGC Recognized

SCHOLARSHIPS

Based on 12th Results

95% and above aggregate in 10+2 of CBSE or Equivalent	100% Scholarship in Academic Fee
92% to 94.99% aggregate in 10+2 of CBSE or Equivalent	50% Scholarship in Academic Fee
88% to 91.99% aggregate in 10+2 of CBSE or Equivalent	30% Scholarship in Academic Fee
80% to 87.99% aggregate in 10+2 of CBSE or Equivalent	20% Scholarship in Academic Fee

Based on JEE Mains

90 & above percentile in JEE/ JEE mains	50% Scholarship in Academic Fee
80 to 89.99 percentile in JEE/ JEE mains	25% Scholarship in Academic Fee
75 to 79.99 percentile in JEE/ JEE mains	15% Scholarship in Academic Fee

Engineering & Sciences
B.Tech Computer Science & Engineering (in association with IBM Innovation Centre for Education B.Tech (CSE) programs)
- Artifical Intelligence & Machine Learning
- Cyber Security
- Data Science

B.Tech Computer Science & Engineering
B.Tech in Artificial Intelligence & Data Science — in association with NVIDIA Deep Learning Institute
B.Tech Civil Engineering — in association with L&T
Smart Infrastructures
B.Tech Mechanical Engineering — in association with iCAT
Specialization in EV
B.Tech Electronics and Communication — in association with BOSCH
- Internet of Things
- Biomedical Engineering

B.Tech Aerospace Engineering
BCA / BCA (Hons.) — in association with Microsoft
- Data Analytics
- Machine Learning

B.Sc. - Hons. / M.Sc.
- Forensic Science
- Microbiology
- Biotechnology

M.Tech Aerospace Engineering
MCA (Master of Computer Applications)

Centre of Excellence in Occupational Health, Safety, Fire & Environment
B.Tech. Fire & Safety Engineering
M.Tech (Part Time / Full Time) - Health Safety & Environmental Engineering Specialisation in
- Disaster Management
- Fire & Safety
- ESG & Sustainability

MBA - (ESG & Sustainability Management)
M.Tech (Part Time / Full Time) - Environmental Engineering Specialisation in
- ESG & Sustainability Engineering

Advance Diploma in Industrial Safety
Certificate in ESG & Sustainability
(6 Months Certification) - Jan / July Intakes

Law — Approved by BAR COUNCIL OF INDIA
Integrated BA. LL.B (Hons.)
Integrated BBA. LL.B (Hons.)
LL.B (Hons.)
LL.M

Liberal Arts — Fortis
B.A/ B.A. Hons. Psychology
M.A. Psychology
B.Sc. Clinical Psychology (Hons.)*
M. A. Clinical Psychology*
Professional Diploma in Clinical Psychology*
*Subject to approval from RCI

Healthcare & Allied Sciences
Fortis | Medanta | Park Hospital Advanced Super Speciality | Aarvy Healthcare
Pharmacy — Approved by
Bachelors in Pharmacy
Masters in Pharmacy
- Pharmaceutics/ Pharmachemistry / Pharmacology / Pharmacognosy

Doctor of Pharmacy (Pharm.D)* *Subject to approval from PCI
Physiotherapy
Bachelor of Physiotherapy
Masters of Physiotherapy
- Musculoskeletal / Neurology

Bachelor of Science (B.Sc. Nursing)
Optometry
Bachelors of Optometry
Masters of Optometry
Masters in Public Health

Agricultural Sciences
B.Sc. Bachelor of Science (Hons.)
Agriculture with Artificial Intelligence (ICAR approved program)
M.Sc. (Master of Science in Agriculture)
Agronomy / Soil & Agriculture Chemistry / Genetics & Plant Breeding / Plant Pathology / Entamology / Horticulture / Agricultural Economics / Agricultaral Statistics / Plant Protection
MBA- Agri Business Management

Hospitality & Tourism
in academic collaboration LE CORDON BLEU
BBA (Hons.) in Hospitality Management
BA (Hons.) Culinary Arts
Diploma in Culinary Arts (Jan / Aug Intakes)
Diploma in Pastry Arts (Jan / Aug Intakes)
MBA in Hospitality & Tourism

Management
BBA / BBA (Hons.) Bachelor of Business Administration
- Finance
- International Business
- Entrepreneurship
- Human Resource Management
- Marketing
- Operations IT and Supply Chain Management

MBA
- Finance
- Entrepreneurship
- Human Resource Management
- International Business
- Marketing
- Operations IT and Supply Chain Management
- Business Analytics

B.Com/ B.Com Hons. in association with ACCA

Fashion & Design
Unitedworld Institute of Design (UID) — UID Ignite your ambition
Industrial Design
B.Des. (Hons.) Transportation & Mobility Design, Product Design
M.Des Industrial Design
Fashion & Lifestyle
B.Des. (Hons.) Fashion Design Technology, Fashion Communication & Styling, Apparel Design
M.Des Fashion Design
Communication Design
B.Des. (Hons.) Communication Design, Film & Video Communication
M.Des Visual Experiential Design
Animation & Game Design
B.Des. (Hons.) Animation & Visual Effects, Game Design
M.Des Immersive & Interactive Media Design
Interior & Spatial Design
B.Des. (Hons.) Interior Architecture design, Spatial Experience design, Furniture and Interior design
M.Des Interior & Experience Design
Interdisciplinary Design
B.Des. (Hons.) Interaction design, Global design Programme
Integrated Design
B.Des. (Hons.) Integrated Smart Systems Design
M.Des Design Management

Centre of Excellence for Advance Research
- The Centre for Conflict Resolution, SoL
- Centre for Corporate Law, Policy Research and Governance, SoL
- Centre for Women and Child Rights (CWRC), SoL
- Centre of Indian Knowledge Systems (CIKS), SoLA
- Avishkar Centre of Innovation and Incubation, SoES
- Centre of Excellence Occupational Health, Safety, Fire & Environment, SoES
- Centre of Excellence for Aerospace and Energy, SoES
- Centre for Innovation and Entrepreneurship (CIE), SoM

Students enrolled in 3-years undergraduate programs have the option to pursue a 4th year to earn a Bachelor's degree with Honours, in accordance with NEP 2020.
GD Goenka Education City, Sohna Road, Gurugram, Delhi NCR
Scan to Apply
99100 00062
98181 71304

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय का दशम दीक्षांत समारोह आयोजित

समाज को अच्छे और प्रतिभाशाली डॉक्टर मिले-बागड़े

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि विश्वविद्यालय में जिस वर्ष विद्यार्थी की शिक्षा पूरी हो, उसी साल दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को समय पर डिग्री मिले, इसके लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाएं। उन्होंने चिकित्सकीय शिक्षा में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाए कि विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता बढ़े। समाज को प्रतिभाशाली और अच्छे डॉक्टर मिले। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा में मौलिक शोध और अनुसन्धान पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय देश विदेश के दूसरे विश्वविद्यालयों से कॉलोबोरेशन कर इस क्षेत्र के नए ज्ञान के आदान प्रदान का संवाहक बने।

राज्यपाल बागडे मंगलवार को बिड़ला सभागार में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता और ध्यानाकर्षण कितना है, इसके लिए क्या क्या पढ़ा और उसमें क्या ध्यान में रखा इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि बौद्धिक क्षमता की जांच के लिए कोई मशीन नहीं बनी पर नकल की बजाय अकल से जो ज्ञान में सफलता प्राप्त करे वहीं बौद्धिक रूप में सशक्त है।

राज्यपाल ने कहा कि प्राचीन काल में विश्व में केवल छह यूनिवर्सिटी थी तब भी भारत में दो विश्वविद्यालय थे। यहां पर विश्वभर के छात्र छात्राएं पढ़ने आते थे। उन्होंने नालन्दा विश्वविद्यालय और वहां के आयुर्वेद के ज्ञान की चर्चा करते हुए कहा कि बख्तियार खिलजी को नालंदा के वैद्य ने ठीक किया पर उसने वहां के पुस्तकालय को जला दिया। उन्होंने भारत द्वारा संसार को जीरो के ज्ञान को दिए जाने की चर्चा करते हुए कहा कि इसी से आगे की संख्या से विश्व जुड़ सका। उन्होंने भास्कराचार्य द्वारा गुरुत्वाकर्षण ज्ञान और आर्यभट्ट के संख्या ज्ञान के आलोक में भारत की प्राचीन शिक्षा से आधुनिक ज्ञान को दिशा दिए जाने का आह्वान किया।

बागडे ने देश की पहली महिला चिकित्सक के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 1886 में परीक्षा पास कर देश की पहली महिला डॉक्टर आनंदी गोपाल जोशी ने इस क्षेत्र में महिलाओं को प्रेरणा दी। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय देश, विदेश के दूसरे विश्वविद्यालय से कॉलोब्रेशन करके शोध और अनुसन्धान में महती कार्य करे। उन्होंने कहा कि इससे चिकित्सकीय ज्ञान का प्रभावी रूप में आदान प्रदान हो सकेगा। उन्होंने कहा कि ऐसा ज्ञान ही विद्यार्थी के अधिक ध्यान में रहता है। इससे एकरसता से भी विद्यार्थी मुक्त होता है। उन्होंने चिकित्सकों को संयम रख रोग निदान को अपना सर्वोपरि ध्येय रखने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय परिपेक्ष में चिकित्सा और औषधि शास्त्र एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कम से कम दवा से रोग निदान की मानसिकता के लिए कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने इस अवसर पर "नेशनल अकादमिक डिपोजिटरी पोर्टल" का बटन दबाकर डिजिटल शुभारंभ किया। इसमें राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा योग्य अभ्यर्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को डिजिटलाइज्ड किया जाएगा। इससे पहले उन्होंने डॉ. विश्व मोहन कटोच को बायोमेडिकल रिसर्च में अप्रतिम योगदान के लिए "डॉक्टर ऑफ साइंस-मेडिसिन" की मानद उपाधि प्रदान की। उन्होंने मेडिसिन, दंत, फार्मेसी, नर्सिंग, फिजियोथैरेपी एवं ऑक्यूपेशनल, पैरामेडिकल संकाय के विद्यार्थियों को पदक एवं उपाधियां प्रदान की।

पीएसआरआई हार्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं पूर्व आचार्य और विभागाध्यक्ष, कार्डियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली डा. के.के. तलवार ने दीक्षांत व्याख्यान प्रदान किया। कुलगुरु प्रो. (डॉ.) प्रमोद येवले ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राणा पूंजा की मूर्ति की ग़लत वेशभूषा व नामकरण के विरोध में किया प्रदर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। राजपूत समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों व सदस्यों ने प्रधानमंत्री, राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर आलोक रंजन को ज्ञापन सौंप कर लिखा कि महाराणा प्रताप के परम सहयोगी राणा पूंजा सोलंकी पानरवा के क्षत्रिय राजपूत सोलंकी शासक थे। वे राजपूतों व भीलो की सयुंक्त सेना के साथ हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के पक्ष में लड़े थे, पानरवा क्षेत्र जो की भोमट में स्थित हैं।

यह क्षेत्र भील बाहुल्य क्षेत्र रहा हैं, जिससे राणा पूंजा की सेना मे भील जाति के सहयोगी अधिक संख्या मे शामिल रहे थे। दुर्भाग्यवश इतिहास को विकृत करने की मंशा से षड्यंत्र पूर्वक राणा पूंजा सोलंकी राजपूत को भील दर्शाया जा रहा हैं। वर्तमान मे भोपालसागर चौराहे पर स्थापित उनकी मूर्ति को आदिवासी वेशभूषा मे प्रस्तुत किया जा रहा हैं, जो सम्पूर्ण राजपूत समाज के लिए अपमान जनक हैं। राणा पूंजा सोलंकी के क्षत्रिय राजपूत होने के प्रमाण, स्वरूप पट्टे, परवाने, शिलालेख एवं अन्य ऐतिहासिक साक्ष्य आज भी उनके वंशजो के पास पानरवा में उपलब्ध हैं। अतः यह निर्विवाद सत्य हैं की वो एक राजपूत योद्धा थे। इतिहासकारों ने भी इनके राजपूत होने की सर्वसम्मति से पुष्टि की है।

राणा पूंजा सोलंकी के वर्तमान वंशजो द्वारा इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट व राजस्थान उच्च न्यायालय में भी वाद पेश कर रखे है व इसी प्रकार पिछले दिनों इनके द्वारा कुछ विधायकों सहित कुछ लोगों पर पुलिस में एफआईआर भी दर्ज करवा रखी है। उसके बावजूद भी भूपालसागर में इस प्रकार प्रतिमा स्थापित कर जातीय वैमनस्य बढ़ाने का जो प्रयास किया जा रहा है जिससे सम्पूर्ण मेवाड़ क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। राजपूत समाज की यह स्पष्ट मांग हैं कि या तो वो मूर्ति वहां से हटाई जाये या फिर उसे उनकी राजपूत समाज की पारम्परिक वेशभूषा में स्थापित की जाये व उनका नामकरण भी राणा पूंजा सोलंकी किया जाय। अन्यथा चित्तौड़गढ़ जिले सहित पूरे मेवाड़ का राजपूत समाज कार्यक्रम का बहिष्कार कर विरोध करेगा। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी राज्य सरकार व पुलिस प्रशासन की होगी। राणा पूंजा की सोलहवीं पीढ़ी के वंशज राणा मनोहरसिंह की पुत्रवधु कुंवरानी कृष्णा कुमारी सोलंकी भी चित्तौड़गढ़ पहुँची व ज्ञापन में शामिल होकर इस विषय में जिला कलेक्टर को विस्तृत जानकारी दी।

इस दौरान जौहर स्मृति संस्थान अध्यक्ष राव नरेन्द्रसिंह, उपाध्यक्ष महिला निर्मला कंवर, संयुक्त मंत्री गजराज सिंह बराड़ा, महामंत्री तेजपाल सिंह शक्तावत, सहदेव सिंह, लक्ष्मणसिंह, दिलीप सिंह, पुष्पेन्द्रसिंह, भंवरसिंह, नरोत्तमसिंह, रामसिंह, कुलदीपसिंह, नरेन्द्रसिंह, कमलेन्द्रसिंह, अरविन्दसिंह, खुशबुसिंह, अमरसिंह, कानसिंह, विक्रमसिंह, नरपतसिंह भाटी, रघुवीर सिंह सोलंकी, राजेन्द्र सिंह, शिवराज सिंह, दीपक सिंह, रविराज सिंह, कमल सिंह, राजू सिंह, श्याम कंवर, आरती कंवर, सरला कंवर, सरिता कंवर, मालमसिंह पंवार, प्रहलाद सिंह, सुरेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में कई समाजजन उपस्थित रहे।

सर्वधर्म समभाव का पर्याय बना कल्याण महाकुंभ का नगर निमंत्रण

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। मेवाड़ के प्रसिद्ध श्री शेषावतार कल्लाजी वेदपीठ की ओर से 11 से 19 जून तक यानी ज्येष्ठ पूर्णिमा से आषाढ़ कृष्णा अष्ठमी तक आयोजित होने वाले नौ दिवसीय भव्य एवं विशाल 20 वें विंशति कल्याण महाकुंभ के लिए वेदपीठ की ओर से कल्याणनगरी के घर घर दिया गया भावभरा नगर निमंत्रण उस समय सर्व धर्म समभाव का पर्याय बना, जब वेदपीठ से जुड़े वीर वीरांगना कल्याण नगरी के प्रत्येक द्वार पर जाकर पीले चावल और पुष्प देकर कल्याण महाकुंभ के सभी कार्यक्रमों में तन मन धन से सहभागिता निभाने का अनुनय आग्रह किया गया तो समग्र हिंदू समाज की 36 कॉम के श्रद्धालुओं ने निमंत्रण सामग्री को मस्तक पर चढ़ाकर सभी कार्यक्रमों में सहभागिता का आत्मिक विश्वास दिलाया। वहीं मुस्लिम समाज के लोगों ने भी तबरुक का इस्तेकबाल करते हुए कहा कि कल्याणनगरी का यह आयोजन भव्य और अनूठा हैं।

आयुर्वेद विवि में रिसेंट एडवांसेज इन प्रकृति" विषय पर हुआ व्याख्यान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्व विद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के निर्देशन में स्नातकोत्तर क्रिया शारीर विभाग में" रिसेंट एडवांसेज इन प्रकृति"विषय पर मंगलवार को पीजीआईए ,जोधपुर के क्रिया शारीर विभाग में अतिथि व्याख्यान का हुआ आयोजन। कार्यक्रम में डॉ महेन्द्र प्रसाद प्रजापति (एसोसिएट प्रोफेसर, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, जयपुर) ने प्रकृति तथा आयुर जीनोमिक्स पर ज्ञान वर्धक व्याख्यान दिया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ दिनेश चन्द्र शर्मा , यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ नेचुरोपैथी तथा योगिक साइंस के प्राचार्य वैद्य चन्द्रभान शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ पूजा पारीक तथा क्रिया शरीर विभाग के समस्त स्नातकोत्तर अध्येता उपस्तिथ रहे। इस व्याख्यान में डॉ प्रजापति ने बताया कि, विभिन्न प्रकृति में जीन कैसे अभिव्यक्त होते हैं, तथा एपिजेनेटिक्स के अंतर्गत वातावरण का जीन एक्सप्रेशन पर क्या प्रभाव पड़ता है और आयुर्वेदीय देश के अनुसार प्रकृति और जेनेटिक्स अभिव्यक्ति के मध्य के संबंधों को विस्तार से समझाया एवं आयुर्वेदिक तथा मॉडर्न कांसेप्ट से प्रकृति का विस्तृत में वर्णन किया।

श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में मनाया गया "विश्व मधुमक्खी दिवस"

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में आज "विश्व मधुमक्खी दिवस" मनाया गया। कार्यक्रम की थीम "प्रकृति से प्रेरित मधुमक्खी-जो हमें पोषण देती है रही, जिसका उद्देश्य पर्यावरण, जैव विविधता और मानव जीवन में मधुमक्खियों के अमूल्य योगदान को रेखांकित करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत एक जागरूकता रैली से हुई, जिसमें छात्रों ने "शुक्र हो या शनि, रोज खाओ हनी!" जैसे आकर्षक नारों से जागरुक संदेश दिया। इस रैली का शुभारंभ विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. शैलेश मारकर व सहायक निदेशक छात्र कल्याण डॉ गजानंद जाट द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। रैली का उद्देश्य आमजन को मधुमक्खियों के संरक्षण, उनके पर्यावरणीय महत्व और जैव विविधता में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना था।

अनुसंधान निदेशक डॉ. शैलेश मारकर ने मधुमक्खियों के कृषि और पारिस्थितिकी में महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि 20 मई को "विश्व मधुमक्खी दिवस" के रूप में मनाया जाता है, जो कि प्रसिद्ध मधुमक्खी वैज्ञानिक एंटोन जेनसन की जन्मदिवस जयंती है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खियाँ परागण के माध्यम से फसलों की उत्पादकता में 20-25% तक की वृद्धि करती हैं, विशेषकर तिलहन, प्याज और कद्दूवर्गीय फसलों में। इसके साथ ही शहद, मधुमोम, रॉयल जैली, प्रोपोलिस और वेनम जैसे उत्पाद न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि उनके औषधीय गुण भी अनेक बीमारियों के उपचार में सहायक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि राजस्थान के भरतपुर और अलवर जिलों में हनी बी रियरिंग (मधुमक्खी पालन) के प्रति किसानों और युवाओं में तेजी से रुचि बढ़ रही है, जो एक सकारात्मक संकेत है।

सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. गजानंद ने बताया कि मधुमक्खी पालन केवल शहद प्राप्त करने का साधन नहीं है, बल्कि यह किसानों की आय में वृद्धि, फसलों की उत्पादकता और पर्यावरण संतुलन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है साथ ही बताया कि विश्व में कुल परागण का लगभग 75% कार्य अकेले मधुमक्खियाँ करती हैं, जिससे इनके महत्व का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. एस.एल. शर्मा ने मधुमक्खी को एक सामाजिक कीट बताते हुए कहा कि परागण में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेकिन बढ़ते तापमान, कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग और वनस्पतियों की घटती संख्या के कारण मधुमक्खी पालन कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने एपिकल्चर (मधुमक्खी पालन), मधुमक्खियों की प्रजातियाँ, उनका संचार तंत्र, जीवन चक्र, एवं मधुमक्खी से प्राप्त उत्पादों तथा पालन विधियों पर गहन चर्चा की। रेडी इंचार्ज डॉ. बी.एस. चंद्रावत द्वारा विद्यार्थियों के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन खेल प्रभारी डॉ नरेंद्र ने दिया। इस अवसर पर डॉ बी एस बधाला, डॉ. संतोष देवी समोता, डॉ. हिना सहीवाला, डॉ राजेश व डॉ. दीक्षा शर्मा सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
विश्वसनीय समाचार पत्र

जी हाँ, यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।

जो दिखेगा वही बिकेगा

आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की
जागरूक जनता के साथ

विज्ञापन | क्लासीफाइड | डिस्पले | प्रॉपर्टी | वैवाहिक

विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070

विधायक कंवरलाल का विधान सभा सदस्यता का मामलाः देवनानी ने महाधिवक्ता को विधिक राय भेजे जाने को किया निर्दिष्ट

महाधिवक्ता की विधिक राय प्राप्त होते ही होगा निर्णय-देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधायक कंवरलाल के मामले में राज्य के महाधिवक्ता को इस संबंध में तुरंत अपनी विधिक राय राजस्थान विधान सभा सचिवालय को भेजे जाने के लिये निर्दिष्ट किया है। देवनानी ने उम्मीद जताई है कि महाधिवक्ता की राय एक-दो दिन में राजस्थान विधान सभा सचिवालय को आवश्यक रूप से प्राप्त हो जायेगी। देवनानी ने कहा है कि राज्य के महाधिवक्ता से राजस्थान विधान सभा को विधिक राय प्राप्त होते ही विधायक कंवरलाल की विधान सभा सदस्यता को समाप्त किये जाने के बारे में तत्काल विधि सम्मत और न्याय सम्मत निर्णय लिया जायेगा।

देवनानी से मंगलवार को यहां विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित प्रतिपक्ष के सदस्यों ने मुलाकात की। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी को प्रतिपक्ष के सदस्यों ने कंवरलाल की विधान सभा सदस्यता समाप्त करने के मामले में निर्णय किये जाने के संबंध का ज्ञापन भी दिया। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने नेता प्रतिपक्ष सहित प्रतिपक्ष सदस्यों को इस संबंध में न्याय सम्मत शीघ्र निर्णय लिये जाने के लिये आश्वस्त किया।

उल्लेखनीय है कि देवनानी विधायक कंवरलाल के संबंध में न्यायालय द्वारा दिये गये फैसले के दिन ही राज्य के महाधिवक्ता को विधिक राय दिये जाने के लिये निर्दिष्ट कर दिया था। देवनानी इस मामले में निर्णय लिये जाने के संबंध में निरन्तर समीक्षा कर रहे है। देवनानी का कहना है कि विधान सभा की सदस्यता को समाप्त करने के निर्णय के लिए न्यायालय के फैसले के सभी पहलुओं का अध्ययन करना होता है ताकि विधायक के साथ किसी प्रकार की नाइंसाफी ना हो।

विधान सभा समितियों में हुये आंशिक संशोधन पर चर्चा, देवनानी ने सदन के हित में लिया निर्णयः- राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से प्रतिपक्ष के सदस्यों ने राजस्थान विधान सभा सचिवालय द्वारा गत दिनों समितियों में किये गये आंशिक संशोधन पर भी चर्चा की। देवनानी ने कहा कि नरेन्द्र बुडानिया राजस्थान विधान सभा के वरिष्ठ एवं अनुभवी सदस्य है। बुड़ानिया को समिति से हटाया नहीं गया है। यह भ्रमित प्रचार है। राजस्थान विधान सभा के वरिष्ठ सदस्य बुड़ानिया के अनुभवों को ध्यान में रखते हुये उन्हें पिछड़े वर्गों के कल्याण संबंधी जैसी महत्वपूर्ण विषयों की समिति का सभापति बनाया गया है। देवनानी ने कहा कि बुडानिया को अकेले ही परिवर्तित नहीं किया गया है. उनके साथ तीन अन्य सभापतियों, जो सत्तापक्ष से संबंध रखते है, को भी अन्य समिति का सभापति बनाया गया है। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने यह निर्णय सदन के हित में लिया है।

विधान सभा के विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चाः देवनानी की प्रतिपक्ष नेता जूली और प्रतिपक्ष के अन्य सदस्यों की विधान सभा के संचालन, समितियों के कार्यदिवस, प्रश्नों के उत्तर संबंधी सहित विधान सभा से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विस्तार से सकारात्मक चर्चा हुई।

आर्मी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने देखी विधान सभा- राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के आव्हान पर मंगलवार को यहां विधान सभा के सदन, भवन और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय को जयपुर के आर्मी पब्लिक स्कूल के नवीं से बारहवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने देखा।आर्मी स्कूल के बच्चों ने राजनैतिक आख्यान संग्रहालय राजस्थान राज्य के गौरवमयी इतिहास, भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में राजस्थान की भूमिका और राजस्थान निर्माण के पदसोपानों को डिजिटल माध्यम से समझा। संग्रहालय में रियासतों का विलय, विधानसभा के विकास, सभी मुख्यमंत्रियों की उपलब्धियां, सभी विधानसभाध्यक्षों का विवरण और राज्य को आकार देने में निर्वहन की गई भूमिका को भी छात्र-छात्राओं ने चलचित्रों के माध्यम से जाना। संग्रहालय में प्रदर्शित निर्वाचन प्रणाली, मंत्री मण्डल एवं बजट की कार्यप्रणाली को भी बच्चों ने देखा।राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर प्रदेश के छात्र-छात्राओं और आमजन को जनदर्शन कार्यक्रम के द्वारा संग्रहालय से जोडने का महत्वपूर्ण कार्य शुरू किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को बीकानेर दौरे पर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तैयारियों का लिया जायजा

मां करणी की कृपा से ऑपरेशन सिंदूर को मिली सफलता-मदन राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंगलवार को 22 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीकानेर दौरे की तैयारियों का जायजा लिया और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल भी मौजूद रहे। बैठक के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 22 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के बीकानेर में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा में बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिक पहुंचेंगे। इस दौरान कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन मिलेगा। राठौड़ ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मां करणी की कृपा से हमें सफलता मिली है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और सेना का काम सराहनीय रहा है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की सीमा में 500 किलोमीटर तक घूसकर आतंकियों को मारने और उनके केंद्र को नष्ट करने का काम किया है। ऐसे समय में विपक्ष को देश के शीर्ष नेतृत्व की आलोचना करना उनकी देश भक्ति और राष्ट्र भक्ति की कमी को दर्शाता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान की बस्तियों को नुकसान नहीं पहुंचाया। पाक में आतंकवादियों के अड्डों को नेस्तनाबूद किया है। सेना ने उन आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया जो कंधार हमले में भी शामिल थे। इस दौरान कई आतंकियों ने यहां तक कहा कि अच्छा होता कि इस हमले में परिवार के साथ मैं भी मारा जाता। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से आतंकियों में डर का माहौल बन गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पाकिस्तान भारत की ताकत देखकर घबराया और सीजफायर के लिए कई देशों से गिड़गिड़ाया। इसके बाद पाकिस्तान की सेना ने भी भारतीय सेना के अधिकारियों से कहा कि हम युद्ध नहीं चाहते, बल्कि हम आपसे चर्चा करना चाहते हैं। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की सेना के सामने कई शर्तें भी रखी, जिसे पाकिस्तान ने सहमति दी। भारतीय सेना ने कहा कि हमें बचे हुए आतंकवादियों का समर्पण चाहिए, आप आतंकवाद का कभी संरक्षण नहीं करोगे। इन शर्तों के साथ ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया है, आतंकवादी घटनाओं के लिए ऑपरेशन सिंदूर हमेशा चालू रहेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशभर में निकाली जा रही तिरंगा यात्रा पर कहा कि देशवासियों में राष्ट्र भक्ति की भावना को और अधिक मजबूत करने तथा सेना के मनोबल को बढ़ाने के लिए देशभर में तिरंगा एवं सिंदूर यात्राएं निकाली जा रही है। देशवासियों में इन यात्राओं को लेकर भारी उत्साह नजर आ रहा है। प्रेसवार्ता में राजस्थान किसान आयोग बोर्ड के अध्यक्ष सी आर चौधरी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, भाजपा प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनिया, शहर जिला अध्यक्ष सुमन छाजेड़ , देहात जिला अध्यक्ष श्याम पंचारिया, संगठन प्रभारी दशरथ सिंह शेखावत, ओम सारस्वत उपस्थित रहे।

इजरायल के खिलाफ 22 देशों ने जारी किया बयान, एक भी मुस्लिम देश नहीं

गाजा को मिलने वाली मदद में किसी भी तरह की बाधा उत्पन्न न करें इजरायल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

इजरायल। इजरायल द्वारा लगातार गाजा पर आतंकवादी ठिकानों पर बमबारी की जा रही है। इस बीच इजरायल ने गाजा को जाने वाली मदद को आंशिक रूप से मंजूरी दे दी है। दरअसल गाजा के लिए जो रास्ते जाते थे, उन्हें इजरायल की सेना ने ब्लॉक कर रखा था। हालांकि अब ये ब्लॉकेड हटा दिया गया है। इस बीच यूरोप के कई देशों समेत कुल 22 देशों में एकजुट होकर इजरायल के खिलाफ बयान जारी किया है।

साथ ही उन्होंने मांग की है कि गाजा को मिलने वाली मदद में किसी भी तरह की बाधा इजरायल द्वारा उत्पन्न न की जाए। लेकिन पता है इसमें सबसे ज्यादा चैंकाने वाली बात क्या है। इन देशों में एक भी इस्लामिक देश शामिल नहीं है, क्योंकि इस्लामिक देश खुलकर फिलिस्तीन का साथ देते हैं, लेकिन यहां एक भी इस्लामिक देश फिलिस्तीन के साथ नहीं दिखा।

इन देशों ने जारी किया बयान

इन देशों में जर्मनी, फ्रांस जैसे यूरोपीय देश हैं वहीं जापान ने भी इजरायल के खिलाफ बयान जारी किया है। इसके अलावा ब्रिटेन और न्यूजीलैंड ने भी इजरायल से मांग की है कि गाजा के लिए जाने वाली मदद में किसी भी तरह की रुकावट न पैदा की जाए। इजरायल के खिलाफ जिन देशों ने बयान जारी किया है, उनमें ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, कनाडा, फिनलैंड, एस्टोनिया, इटली, आयरलैंड, आइसलैंड, लिथुआनिया, लातविया, जापान, नीदरलैंड, लग्जमबर्ग, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, पुर्तगाल, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीड और ब्रिटेन शामिल हैं। इन देशों का कहना है कि इजरायल द्वारा गाजा को जाने वाली मदद को रोकने की वजह से वहां लोग भुखमरी का शिकार हो रहे हैं। कई लोगों को गंभीर बीमारियों की दवाएं नहीं पहुंच पा रही हैं। उनके लिए जीवन बचाना भी मुश्किल साबित हो रहा है।

इजरायल ने कही ये बात

इजरायल के खिलाफ बयान जारी करने वाले देशों ने कहा कि हमें जानकारी है कि इजरायल गाजा में सीमित मात्रा में मदद पहुंचाने के लिए राजी हुआ है। लेकिन हमारी मांग ये है कि मदद पहुंचने में इजरायल द्वारा किसी तरह की बाधा ना लाई जाए। इतना ही नहीं, फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा ने तो इजरायल को धमकी तक दे डाली है। इन देशों ने कहा कि यदि गाजा में मदद को रोका गया तो फिर वे इजरायल पर पाबंदियां लगाएंगे। इसके अलावा गाजा पर सैन्य कार्रवाई भी रोकने की इन देशों ने मांग की है। इसके अलावा इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इन तीनों देशों पर पलटवार करते हुए तीनों देशों से कहा है कि यदि आपके प्रस्ताव को मान भी लिया जाए तो उससे हमास और भी ज्यादा मजबूत होगा और वह भविष्य में फिर से इजरायल पर हमले करेगा।

भारतीय सेना के सम्मान को समर्पित तिरंगा यात्रा को लेकर आमजन में उत्साह-भूपेंद्र सैनी

राजस्थान के 7 संभाग, 44 जिलों, 72 विधानसभाओं और 338 मंडल स्तर पर निकाली गई तिरंगा यात्रा, 4.45 लाख नागरिकों की रही सहभागिता

प्रदेश के 8297 शक्ति केंद्र, 52187 बूथ और प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर निकलेगी तिरंगा यात्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा प्रदेश मंत्री एवं तिरंगा यात्रा के प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में तिरंगा यात्रा और सिंदूर यात्रा को लेकर प्रेसवार्ता की। सैनी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। देशवासियों में देशभक्ति की भावना को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से निकाली जा रही तिरंगा यात्रा को प्रदेश में भरपूर समर्थन मिल रहा है। तिरंगा यात्रा में महिलाएं, पुरूष, सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी, जवान, शहीदों परिवार के सदस्य, एनसीसी के स्टूडेंट्स, साधु-संत शामिल हो रहे है।

तिरंगा यात्रा प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी ने बताया कि राजस्थान में 15 मई से जयपुर संभाग स्तर पर शुरू की गई तिरंगा यात्रा जिला, मंडल, विधानसभा, शक्ति केंद्र, बूथ, ग्राम पंचायत स्तर तक निकाली जाएगी। अब तक प्रदेश के 7 संभाग और 44 जिलों में तिरंगा यात्रा निकाली जा चुकी है। प्रदेश की 72 विधानसभाओं में और भाजपा के 338 मंडल स्तर पर भी बड़े स्तर पर तिरंगा यात्रा निकाली गई। अब तक प्रदेशभर में 454 कार्यक्रम आयोजित किए गए, इनमें 4 लाख् 45 हजार नागरिकों की सहभागिता रही। सैनी ने बताया कि 31 मई तक प्रदेश के 8297 शक्ति केंद्र और 52187 बूथ स्तर पर भी तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर भी तिरंगा यात्रा निकलेगी।

तिरंगा यात्रा प्रदेश संयोजक अंकित चेची ने बताया कि तिरंगा यात्रा किसी राजनीतिक पार्टी का कार्यक्रम नहीं है, ना ही इसमें भाजपा का झंडा, भाजपा के नारे लगाए जा रहे है, बल्कि तिरंगा यात्रा भारतीय सैनिकों के मनोबल बढ़ाने के लिए आमजन का कार्यक्रम है। इसमें हर वर्ग, हर समुदाय और हर क्षेत्र के लोग बढ़चढ़ कर अपनी भागीदारी निभा रहे है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी सीमा पर जाकर भारतीय जवानों को बधाई दी और मुंह मीठा करवाया। भारतीय सेना के समर्थन में निकाली जा रही तिरंगा और सिंदूर यात्रा में प्रत्येक नागरिक अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। आगामी तिरंगा यात्रा में हम सभी को बढ़ चढ़कर सहभागिता निभानी है। प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ और प्रेमसिंह बनवासा भी उपस्थित रहे।

माधव विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई ने किवरली गांव में चलाया साक्षरता अभियान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम किवरली में एक साक्षरता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को साक्षरता के महत्व के प्रति जागरूक करना और उन्हें शिक्षा से जोड़ना था।

कार्यक्रम का नेतृत्व एनएसएस इकाई के निदेशक डॉ. देवेंद्र मुझाल्दा ने किया, जिन्होंने गांववासियों को साक्षरता के सामाजिक और व्यक्तिगत लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे बच्चों के साथ-साथ स्वयं भी शिक्षा की ओर कदम बढ़ाएं, जिससे सामाजिक विकास को नई दिशा मिल सके।

कार्यक्रम में एनएसएस प्रथम इकाई की प्रभारी संगीता और द्वितीय इकाई की प्रभारी डॉ. रेणुका ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों ने शिक्षा के अधिकार, सरकारी योजनाओं और महिला सशक्तिकरण में साक्षरता की भूमिका पर प्रकाश डाला। गांववासियों ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया और कई ग्रामीणों ने स्वयं साक्षर बनने और अपने बच्चों की शिक्षा में रुचि दिखाने की प्रतिज्ञा ली।

विद्युत ट्रांसफार्मर से कॉपर वायर व तेल चोरी करने वाले तीन शातिर लोग गिरफ़्तार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/चाकसू। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगत आनंद आई.पी.एस ने बताया कि ललित कुमार शर्मा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण के मार्गदर्शन एवं सुरेंद्र सिंह आरपीएस सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू जयपुर दक्षिण के निर्देशन में थानाधिकारी कोटखावदा भरत महर पु.नि. के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कोटखावदा थाना में 20 फरवरी 2025 में विद्युत टांसफार्मर से कॉपर वायर व तेल चोरी करने वाले बावरिया गैंग के तीन शातिर अभियुक्तो को गिरफ्तार किया गया है। कोटखावदा थानाधिकारी भरत महर ने बताया कि मंयक शर्मा पुत्र घनश्याम शर्मा उम्र 32 साल हाल निवासी कनिष्ठ अभियंता विद्युत विभाग कोटखावदा ने 20 फरवरी को करायी कि गांव राडोली में रात को विद्युत टांसफार्मर से कॉपर वायर व तेल चोरी कर ले गये। इलाक़े मे बढती चोरी नकबजनी की वारदातों का खुलासा करने के लिए थानाधिकारी कोटखावदा भरत महर पु.नि. के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा बावरिया गैंग के तीन शातिर अभियुक्त राजेंद्र बावरिया पुत्र अर्जुनलाल बावरिया जाति बावरिया उम्र 22 साल हाल निवासी सुरजपुरा दौसा, धर्मसिंह पुत्र गोपाल जाति बावरिया (21) हाल निवासी सुरजपुरा दौसा, सरदार उर्फ जंगा पुत्र मुसीराम जाति बावरिया (22) निवासी सुरजपुरा दौसा को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया। विशेष टीम सदस्य भरत महर पुनि थानाधिकारी थाना कोटखावदा, सुवालाल उनि थाना कोटखावदा, विरेंद्र कुमार हैडकानि, सुभाषचंद कानि, लोकेश कुमार कानि, सीताराम, कानि, मोहनलाल कानि, गोविंद नारायण कानि रहें।

राजस्थली के सेन्ट्रलाईज इन्वेन्ट्री, सेल्स, बिलिंग एवं एयर कार्गो कॉम्पलेक्स के सॉफ्टवेयर 'सरल' लॉचिंग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने राजस्थान लघु उद्योग निगम के सेन्ट्रलाईज इन्वेन्ट्री, सेल्स, बिलिंग एवं एयर कार्गो सॉफ्टवेयर 'सरल' की मंगलवार को सचिवालय में लॉचिंग की। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि राजसिको द्वारा संचालित एयर कार्गो कॉम्पलेक्स ईआरपी वर्तमान में लगभग 9000 करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट- इम्पोर्ट करता है। इनबाउंड कार्गो रजिस्ट्रेशन, वालेट आधारित डिजिटल प्रिडिपोजिट अकाउन्ट पीडीए द्वारा पेमेंट गेटवे ऑपरेशन, उत्पाद कार्यों का मास्टर एयरवे बिल नम्बर द्वारा पृथक्कीकरण, एक्सपोर्टर इम्पोर्टर का रजिस्ट्रेशन, वेयर हाउस मैनेजमेंट, टर्मिनल स्टोरेज एण्ड प्रोसेसिंग चार्जेज आदि कार्यों को सरल सॉफ्टवेयर द्वारा सम्पादित करने पर समय की बचत एवं शीघ्र निष्पादन होगा। सरल सॉफ्टवेयर द्वारा राजस्थली में उत्पाद, उत्पाद बार कोडिंग, डिजिटल बिल, राजस्व, जीएसटी आदि सभी कार्य केन्द्रीकृत रूप से किए जाएंगे जिससे पारदर्शिता, बेहतर सुपरविजन के साथ-साथ समय की बचत होगी। इस प्रकार न केवल डेटा जनरेशन होगा अपितु उत्पादों की बर्बादी रोकी जा सकेगी, उत्पादों की समयबद्ध सप्लाई तथा विपणन किया जा सकेगा। परचेज मैनेजमेंट, जी.एस.टी. मैनेजमेंट तथा उपभोक्ता संतुष्टिकरण में भी यह सॉफ्टवेयर सहायक होगा। इस अवसर पर राजसिको की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेषक डॉ. आरूषि अजेय मलिक ने बताया कि राजस्थानी हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री हेतु लंदन, सिंगापुर, दुबई, आगरा, जयपुर, आमेर, पुष्कर, सुमेरपुर (बांध के समीप), सवाई माधोपुर शहर, माउण्ट आबू जैसलमेर, हरिद्वार, बद्रीनाथ आदि देश-विदेश के प्रसिद्ध शहरों एवं प्रमुख एयरपोर्टस, तीन/पाँच सितारा होटलों के परिसरों में फ्रैंचाईजी मोड पर 'राजस्थली' विक्रय केन्द्र संचालित करने का भी निर्णय लिया गया है।

ये हैं दुनिया के अनोखे म्यूजियम

म्यूजियम, सभ्यताओं के विकास, इतिहास, कला-संस्कृति के संरक्षण के केंद्रस्थल होते हैं। आज इंटरनेशनल म्यूजियम-डे के अवसर पर, दुनिया भर में मौजूद करीब 38 हजार म्यूजियम्स में से अपनी तरह के कुछ अनोखे म्यूजियम्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

कैनकुन अंडरवाटर म्यूजियम मैक्सिको

कैनकुन (मैक्सिको) के आस-पास समुद्र तल में वर्ष 2009 में तैयार किए गए इस म्यूजियम 'म्यूसियो सबकोटिको दे आटे' यानी मूसा नाम से भी जाना जाता है। इसके पीछे कलाकार जेसन डिक्लेयर टेलर की सोच है। उन्होंने यहां प्रदर्शित 500 मूर्तियों को आर्टिफिशियल रीफ की मदद से बनाया है। यह न सिर्फ देखने में अद्भुत हैं, बल्कि समुद्री जीवन के लिए एक नया इकोसिस्टम भी बनाती हैं। इन मूर्तियों ने समुद्र तल को एक अद्भुत दृश्य में बदल दिया है, जिसे देखने पर ऐसा लगता है मानो मनुष्य और प्रकृति आपस में घनिष्ठता से जुड़े हों। यहां आने वाले लोग ग्लास बॉटम बोट्स, स्नोर्केलिंग या स्कूबा डाइविंग के जरिए इसे देख सकते हैं। *

म्यूजियम ऑफ ब्रोकन रिलेशनशिप क्रोएशिया

इस म्यूजियम का कॉन्सेप्ट है-टूटे हुए रिश्ते की कहानी बयां करना। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेव में स्थित इस म्यूजियम में दुनिया भर के लोगों द्वारा दान की गई उन वस्तुओं (अंगूठी, कपड़े, उपहार) का कलेक्शन है, जो उनके टूटे हुए रिश्तों की यादगार हैं। हर वस्तु के साथ एक नोट लिखा हुआ है, जिसमें उस वस्तु और उससे जुड़े किस्से का विवरण दिया गया है। माना जाता है कि ऐसा करने से उन्हें अपने बिखरे हुए मन को हल्का करने का मौका मिलता है। *

वेंट हेवन म्यूजियम अमेरिका

अमेरिका के केंटकी में स्थित इस म्यूजियम को डमी (पुतलों) म्यूजियम के नाम से भी जाना जाता है। विलियम शेक्सपीयर बर्जर ने 1910 में टॉमी बेलॉनी नामक आर्टिस्ट की पहली डमी खरीदी थी। 1962 में डमीज के कलेक्शन को रखने के लिए म्यूजियम बनाया गया। इस म्यूजियम में 800 से ज्यादा डमियों, तस्वीरों, प्लेबिल्स, किताबों का कलेक्शन है। हर साल यहां एक कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की जाती है, जिसमें शामिल होने दुनिया भर के विशेषज्ञ आते हैं। *

सुलभ इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ टॉयलेट भारत

भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित यह म्यूजियम टॉयलेट के विकास, डिजाइन और स्वच्छता के इतिहास को समर्पित है। इसकी स्थापना 1992 में सुलभ इंटरनेशनल नामक एक गैर-सरकारी संगठन ने की थी। इसमें 50 से अधिक देशों के शौचालयों और उनसे जुड़ी तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जिनमें प्राचीन काल (2500 बीसी) से लेकर आधुनिक समय तक के टॉयलेट शामिल हैं। राजा लुई द्वारा दरबार में इस्तेमाल की जाने वाली टॉयलेट सीट की रेप्लिका, सोने से जड़े टॉयलेट, आधुनिक काल के विभिन्न डिजाइन के टॉयलेट प्रदर्शित किए गए हैं। इस म्यूजियम में टॉयलेट पर लिखी कविताओं का कलेक्शन भी है, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। *

म्यूजियम ऑफ ह्यूमन डिजीज ऑस्ट्रेलिया

यह एक पैथोलॉजिकल म्यूजियम है। यहां तकरीबन दो हजार मानव शरीर के विभिन्न अंगों और ह्यूमन टिशूज को प्रिजर्व किया गया है। इन्हें मनुष्य के ब्रेन डेड की स्थिति में या पोस्टमार्टम के दौरान ऑपरेशन करके इकट्ठा किया गया है। यहां रखे गए मानवांगों का अपना इतिहास है, जिनमें कुछ सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। इनका इस्तेमाल कई बीमारियों के लिए रिसर्च करने के लिए किया जाता है। पर्यटकों को यहां अच्छी लाइफस्टाइल के बारे में काफी जानकारी मिलती है। यहां मेंटल हेल्थ, स्मोकिंग-एल्कोहल, ड्रग जैसे विषयों पर समय-समय पर प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। *

इंटरनेशनल स्पाई म्यूजियम अमेरिका

वाशिंगटन में स्थित यह म्यूजियम जासूसी की कलाकृतियों का दुनिया में सबसे बड़ा संग्रह है। यहां जासूसी प्रोफेशन के इतिहास, तकनीकों, छोटे कैमरे, स्पाई गैजेट्स, कोड ब्रेकर मशीन जैसे उपकरणों, हथियारों को प्रदर्शित किया गया है। ये मानव की सोचने-समझने की क्षमता और जासूसों की भूमिका को दर्शाती हैं। यहां पर्यटक जासूसी एडवेंचर्स में हिस्सा लेकर दुनिया भर के जासूसी फोटो, वीडियो और कहानियों के बारे में जान सकते हैं। *

द डॉग कॉलर म्यूजियम इंग्लैंड

इस म्यूजियम की स्थापना के पीछे लीथ कैसल की मालकिन लेडी बेली का डॉग्स के प्रति प्रेम रहा है। इस म्यूजियम में दुनिया के अद्भुत डॉग्स कॉलर देखने को मिलते हैं। यहां 130 से ज्यादा दुर्लभ और मूल्यवान डॉग्स कॉलर प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें आयरिश स्कॉलर जॉन हंट और उनकी वाइफ ने एकत्रित किया था। शाही हीरे जड़े कॉलर से लेकर पांच शताब्दियों पुराने सबसे छोटे, सबसे फैशनेबल बो टाई तक यहां रखे गए हैं। यह म्यूजियम इंसान और डॉग के रिश्ते के विकास को भी दर्शाता है। *

क्या आप भी करते हैं अपनी लाइफ का ऑडिट

जिस तरह हर कंपनी का समय-समय पर ऑडिट करके उसकी प्रोग्रेस को एनालाइज किया जाता है, उसी तरह हमें अपनी लाइफ का भी ऑडिट करते रहना चाहिए। इसका क्या प्रोसेस है और इससे क्या फायदे होते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अगर आपको अक्सर लगता है कि आपकी जिंदगी में कहीं कोई प्रोग्रेस नहीं नजर आ रही है। आप जिंदगी को जी नहीं रहे, बस इसे बिता रहे हैं। अगर ऐसा है, तो यह वक्त है सेल्फ रिव्यू का यानी अपनी लाइफ को ऑडिट करने का। इससे आपको अपनी कमियां पता चलेंगी, जिससे उन्हें आप दूर कर पाएंगे।

बनाएं लाइफ की ऑडिट रिपोर्ट: एक डायरी में अपने लक्ष्य, उद्देश्य और प्राथमिकताओं को नोट करें। अब इसी डायरी में अब तक आपने क्या खोया और क्या पाया, यह भी लिखें। आपने जो खोया उससे क्या सबक सीखा, ये भी लिखें और कौन-सी गलतियां नहीं दोहरानी हैं, यह भी। जिंदगी का यह हिसाब-किताब आपको न सिर्फ आत्म मूल्यांकन का मौका देगा बल्कि आपको बेवजह की उलझनों और बाहरी व्यवधानों से प्रभावित होने से भी बचाएगा। यह क्रम एक रुटीन में होना चाहिए, जिसे आप हर तिमाही में जरूर करें। साल में कम से कम दो बार यह काम जरूर होना चाहिए। अगर आप अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीना चाहते हैं, तो यह ऑडिट जरूरी है।

ईमानदारी से करें सेल्फ रिव्यू: 'देवी, दिवा ऑर शी-डेविल' और 'द स्मार्ट करियर वुमेंस सर्वाइवल गाइड' की लेखिका सुधा मेनन कुछ साल पहले एक बार अपने जीवन से पूरी तरह परेशान और असंतुष्ट हो गई थीं। अपने जीवन की समीक्षा करने पर उन्होंने पाया कि उनकी जिंदगी ओवर वर्क, थकान, बोरियत और पति की उदासीनता का शिकार हो चुकी थी। दरअसल, पति बेहद सज्जन थे और कम बोलते थे। सुधा को लगा कि वे उनके प्रति उदासीन हैं। उन्होंने पति से खुलकर बात की, तो समस्या हल हो गई। वह वक्त उनकी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट था। मेनन कहती हैं, 'लेकिन आत्मसमीक्षा के लिए और लाइफ ऑडिट के लिए आपका ईमानदार और साहसी होना जरूरी है। तभी आपको सही नतीजे मिलेंगे। अगर आप हर वक्त अस्त-व्यस्त रहते हैं, लगातार काम के बोझ से दबे रहते हैं, पारिवारिक जिम्मेदारियों को ठीक से पूरा नहीं कर पा रहे और न ही अपने नजदीकी लोगों की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं, तो फिर समझ लीजिए कि आपको अपनी प्राथमिकताओं की समझ नहीं है। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों और लक्ष्य की एक स्पष्ट सूची बनाकर रखें। इस आत्मसमीक्षा में आपको खुद के प्रति बेहद ईमानदार रहना होगा।

पूर्वाग्रहों से बचिए: कई बार हम जिंदगी को लेकर एक रटी-रटाई सोच अपना लेते हैं। अपनी विचारधारा बदलने को तैयार नहीं होते हैं। जैसे दुनिया कंप्यूटर पर काम कर रही है, तो भी आप टाइपराइटर के पीछे पड़े हैं। ऐसे पूर्वाग्रहों से आपके मन में जड़ता आ जाती है।

फालतू चीजों को हटाएं: लाइफ ऑडिट के दौरान खुद से कुछ सवाल पूछें जैसे- क्या मैं वही कर रहा हूं, जो मैं अपने जीवन से चाहता हूं? क्या मैं अपनी जिंदगी से संतुष्ट हूं? इन सवालों से जो जवाब मिलें उनसे आपको पता चल जाएगा कि आप आधी से ज्यादा बेकार चीजों के पीछे भागते रहे हैं और इसीलिए आपकी जिंदगी इतनी उलझी हुई और दुश्वार है। ऐसी सब चीजों को अपनी 'टू डू लिस्ट' से हटा दें। 'द लाइफ ऑडिट' की लेखिका कैरोलीन राइटन कहती हैं, 'इससे आपको अपनी जीवन यात्रा को समझने और अब तक की गई तरक्की या तरक्की में रुकावट बन रहे कारणों का पता चलता है। आपको यह भी पता चलता है कि आप कहां अटके हुए हैं। आपको अपनी इच्छाओं का भी पता चलता है।'

'मेक इट हैपेन' के लेखक और लाइफ कोच अरविंद देवलिया बताते हैं, 'अपने जीवन में छोटे-छोटे सामान्य परिवर्तन कीजिए।' अपनी जिंदगी के हर पहलू पर नजर डालिए- करियर, हेल्थ, रिलेशनशिप और देखिए आप क्या पसंद करते हैं और क्या बदलना चाहते हैं? इस दौरान पुरानी गलतियों को लेकर अपसेट बिल्कुल न हों। इसकी बजाय अपने भविष्य की प्लानिंग करें और सफलता के लिए छोटे-छोटे स्टेप उठाएं। ऐसे करेंगे तो आपकी जिंदगी पूरी तरह से बदल जाएगी, आप मनचाही सफलता पाएंगे। *

चाय को दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला पेय माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस (21 मई) के अवसर पर जानिए, अपने देश में मिलने वाली अलग-अलग फ्लेवर्स की चाय के बारे में।

ऊर्जा-ताजगी से कर दें सराबोर ये जायकेदार लाजवाब चाय

अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस आज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो सामान्य चाय, मसाला चाय, ब्लैक टी और ग्रीन टी तो अक्सर पीते ही होंगे। लेकिन यहां हम आपको इनसे इतर अपने देश के अलग-अलग स्थानों की पॉपुलर चाय के बारे में बता रहे हैं।

तड़के वाली चाय, अमृतसर: पंजाब के लोग तड़के और मक्खन के खास शौकीन होते हैं। इस खास चाय को बनाने के लिए पिस्ता, बादाम, दालचीनी, इलायची, खसखस, गुलाब आदि को बटर में फ्राई किया जाता है और फिर इसे चाय में ऊपर से डाल दिया जाता है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि इस खास पंजाबी तड़के वाली चाय में क्या शानदार स्वाद आता होगा।

गुड़-गुड़ चाय, लद्दाख: गुड़-गुड़ चाय एक स्मोकी ब्रिक टी है। यह खास तिब्बती पेमागुल चायपत्ती, नमक, याक के दूध और इसी दूध से बने मक्खन से बनती है। इस चाय से यहां मेहमानों का खास स्वागत किया जाता है। मलाईदार गुड़-गुड़ चाय का स्वाद अन्य चाय से एकदम अलग, नमकीन होता है।

बिरयानी चाय, आगरा: आगरा में तीन परतों वाली यह चाय बेहद खास मौकों पर मेहमानों को पिलाई जाती है। इसमें सबसे नीचे गाढ़ा दूध, बीच में रहती है ब्लैक टी, जो चक्र फूल और दालचीनी पावडर के साथ उबाली जाती है और सबसे ऊपर झाग वाला गाढ़ा-गाढ़ा दूध होता है। इसे पीकर तन ही नहीं मन भी नई ऊर्जा से भर उठता है।

गुलाबी चाय, लखनऊ: इस जायकेदार चाय को बनाने के लिए बेकिंग सोडा में चाय पत्तियों को देर तक उबाला जाता है। जब पत्तियां पूरी तरह अपना रंग छोड़ देती हैं तो फिर इन्हें दालचीनी, इलायची, तेजपत्ता, केवड़ा, लौंग, केसर और दूध के साथ उबालते हैं। पक कर तैयार होने के बाद ऊपर से रबड़ी और बादाम डाले जाते हैं। धी मी - धी मी पकी हुई इस लखनवी गुलाबी चाय को पीकर आप ऊर्जा से सराबोर हो जाएंगे।

लेबू चाय, कोलकाता: इस चाय को बनाने के लिए चाय पत्ती को पहले अच्छी तरह खौलाते हैं फिर इसे छानकर इसमें नीबू का रस, काला नमक, जीरा पावडर, काली मिर्च आदि डालकर सर्व करते हैं। इसमें दालचीनी, लौंग भी डाली जा सकती है।

तंदूरी चाय, दिल्ली: पंजाब और दिल्ली में तंदूरी चाय का खूब प्रचलन है। दूध में चायपत्ती, इलायची, पुदीना आदि मिलाकर पहले चाय बनाई जाती है। फिर एक गर्म तंदूर में कुल्हड़ को बेहद गर्म होने के बाद इसे चाय में डुबाकर चाय निकाली जाती है या फिर ऐसे तपते कुल्हड़ों में ही चाय डाल दी जाती है। मिट्टी के कुल्हड़ की सोंधी-सोंधी खुशबू और अनूठे स्वाद वाली यह चाय तन-मन को ताजगी से भर देती है। *

भय और आतंक के पर्याय फिल्मों के यादगार खलनायक

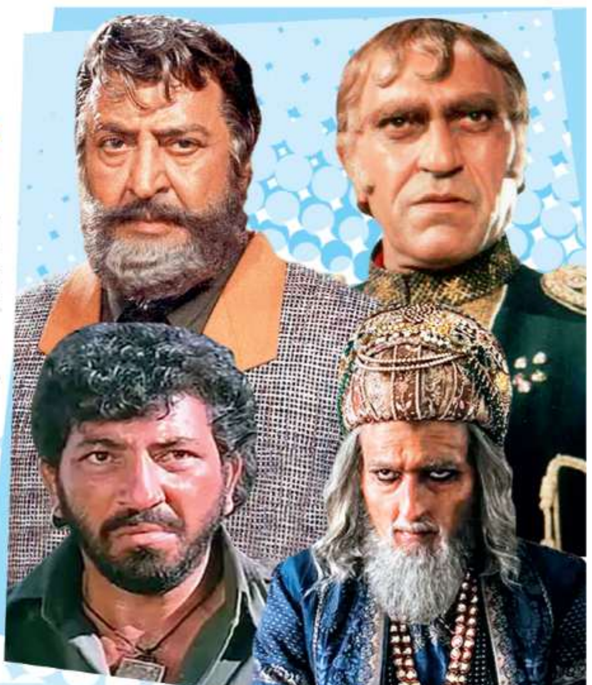

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में नायक-नायिकाओं की तरह खलनायकों का भी महत्व रहा है। कई कलाकारों ने बतौर विलेन भरपूर प्रसिद्धि हासिल की। यहां आपको कुछ ऐसे ही यादगार विलेन कैरेक्टर्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें दर्शक फिल्मी पर्दे पर भय और आतंक का पर्याय मानते हैं।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जिस तरह अतीत से लेकर आज तक देश-दुनिया में कई बार वीभत्स आतंकी घटनाएं घटित होती रहती हैं। समाज में कुछ अपराधी, भयावह घटनाओं को अंजाम देते हैं, उसी तरह हमारी फिल्मों में भी कुछ खलनायकों के चरित्र को इस तरह गढ़ा गया, जो यादगार बन गए। इनके पर्दे पर आते ही दर्शकों के मन-मस्तिष्क में भय और आतंक छा जाता है। हिंदी फिल्मों के ऐसे ही कुछ यादगार निगेटिव किरदारों पर एक नजर-

शुरुआती फिल्मों के खलनायक

बी.एम. व्यास

हिंदी सिनेमा में नकारात्मक चरित्र, सनकी किरदारों को तब से ही पेश किया जाता रहा है, जब से सिनेमा की शुरुआत हुई थी। उस दौर की अधिकांश फिल्में पौराणिक कथाओं पर आधारित हुआ करती थीं। उनमें कभी भूत-प्रेत, कभी दानव और राक्षस के रूप में इस तरह के सनकी किरदार पर्दे पर आते थे। पौराणिक फिल्मों में भय और आतंक मचाने में उन दिनों बी.एम. व्यास, हीरालाल और हबीब जैसे कलाकारों को महारथ हासिल थी।

ऐतिहासिक फिल्मों के खलनायक

पौराणिक फिल्मों के बाद ऐतिहासिक फिल्मों का दौर आया, जिसमें चंगेज खां, हलाकू जैसे खतरनाक सनकी ऐतिहासिक पात्र पर्दे पर प्रस्तुत किए गए। इन किरदारों को पर्दे पर निभाकर कभी प्रेमनाथ, कभी शेख मुख्तार तो कभी प्राण दर्शकों में खौफ पैदा कर देते थे।

प्राण का यादगार किरदार राका

आगे चलकर ऐसे कई कलाकार आए, जिन्होंने नए-नए तरीके अपनाकर फिल्मी पर्दे पर आतंक और भय का वातावरण रचने में योगदान दिया। 'जिस देश में गंगा बहती है' का राका ऐसा ही खुंखार डाकू था, जो दुल्हनों के गले से आभूषण खींचते समय यह परवाह तक नहीं करता था कि इससे गला कट कर दुल्हन डोली पर चढ़ने के बजाय अर्थी पर चढ़ जाती है। प्राण ने अपने अभिनय कौशल से इस वहशी डाकू के किरदार में जान डाल दी थी।

हमेशा रहेंगे याद गब्बर, मोगैंबो, शाकाल

सिनेमा के पर्दे पर हिंसा और सनक की पराकाष्ठा 'शोले' के गब्बर सिंह में देखी जा सकती है। अमजद खान ने इस किरदार को पूरी शिद्दत के साथ निभाया था। आज भी अमजद खान का जिक्र आते ही आंखों के सामने डाकू गब्बर सिंह का चेहरा ही उभरता है। इसी तरह 'मिस्टर इंडिया' का मोगैंबो भी आतंक और सनक का दूसरा नाम था। यह अमरीश पुरी के शानदार अभिनय का ही कमाल था कि फिल्म में जैसे ही मोगैंबो के रूप में अमरीश पुरी की एंट्री होती है, दर्शकों की सांसें थम-सी जाती हैं। 'शोले' बनाने वाले रमेश सिप्पी की ही फिल्म 'शान' का विलेन शाकाल भी कम सनकी और खतरनाक नहीं था। फिल्म में शाकाल बात-बात में लोगों को मगरमच्छ की खुराक बना देता है। शाकाल का किरदार, इस भूमिका को निभाने वाले एक्टर कुलभूषण खरबंदा की पहचान से जुड़ गया था।

नायक भी बने खलनायक

कई ऐसी साइको थ्रिलर फिल्में बनी हैं, जिसमें नायक का किरदार निभाने वाले एक्टर्स ही नेगेटिव कैरेक्टर में दिखे। 'बाजीगर', 'डर' और 'अंजाम' जैसी फिल्मों में शाहरूख खान द्वारा निभाए गए नेगेटिव रोल्स दर्शकों के जेहन में आज भी ताजा हैं। इसी तरह 'अग्नि साक्षी' में नाना पाटेकर और 'दरार' में अरबाज खान ने ऐसे पति की भूमिका निभाई, जो सनक की सारी हदें पार कर जाता है।

ये किरदार भी हैं यादगार

मुकेश तिवारी

'हम', 'घातक', 'क्रांतिवीर', धुंध जैसी फिल्मों में भय, आतंक और सनकी कैरेक्टर्स का रोल डैनी डेंजोंगप्पा ने निभाया। आशुतोष राणा ने फिल्म 'संघर्ष' में लज्जा शंकर पांडे बनकर दर्शकों को खूब डराया तो 'दुश्मन' में उन्होंने गोकुल पंडित के किरदार में भरपूर वाहवाही बटोरी। इन दोनों फिल्मों में आशुतोष राणा ने सनकीपन और वहशीपन को पर्दे पर कुछ इस तरह पेश किया कि दर्शक आज भी इनको नहीं भूल पाए हैं। 'चाइना गेट' में मुकेश तिवारी द्वारा निभाया गया जगीरा का किरदार भी एक अलग किस्म का भय का माहौल रचता है। गुलशन ग्रोवर भी तरह-तरह के गेटअप बदल कर 'बैडमैन' के चरित्र को पर्दे पर पेश कर सनक का सिलसिला आगे बढ़ाते रहे हैं। अजय देवगन ने फिल्म 'दीवानगी' में शातिर और सनकी तरंग भारद्वाज का किरदार निभाया था। 'रमन राघव' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने साइको किलर की बेहतरीन भूमिका निभाई तो 'एक विलेन' में सनकी प्रेमी और हत्यारे की भूमिका में रितेश देशमुख ने जान डाल दी थी। 'पद्मावत' में रणवीर सिंह, अलाउद्दीन खिलजी के किरदार में बेहद खतरनाक लगे। हाल में आई कुछ फिल्मों की बात करें तो बॉबी देओल ने 'एनिमल' में और 'छावा' में अक्षय खन्ना ने अपने निभाए किरदारों के माध्यम से भय का माहौल रचा। *

आशुतोष राणा

बॉबी देओल

पीछे नहीं रहीं खलनायिकाएं

ऐसी बात नहीं कि पर्दे पर सनकी या साइको किलर के किरदार निभाने में केवल मेल एक्टर्स का ही एकाधिकार रहा है। कई फी-मेल एक्ट्रेस ने भी इस तरह के किरदारों को बखूबी निभाकर दर्शकों को हैरत में डाल दिया। 'गुप्त' में काजोल और 'कौन' में उर्मिला मातोंडकर द्वारा निभाए गए किरदारों ने दर्शकों को अचंभे में डाल दिया था।